राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,22 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 179 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आकाश मिसाइल का सफल परीक्षण

जमीन से हवा में मार करने की क्षमता से लैस है मिसाइल

नेशनल डेस्क।

भारत ने बुधवार को आकाश मिसाइल के नये संस्करण (आकाश-एनजी) का ओडिशा तट से सफल परीक्षण किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सभी प्रकार की हथियार प्रणाली से लैस मिसाइल का परीक्षण दोपहर करीब पौने एक (12:45) बजे जमीन आधारित मंच से किया गया। हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) ने रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर इस मिसाइल प्रणाली को विकसित किया है। जमीन से हवा में मार करने की क्षमता से लैस इस मिसाइल का परीक्षण समेकित परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किया गया। सूत्रों ने बताया कि परीक्षण के दौरान मिसाइल की उड़ान से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर सभी हथियार प्रणाली के सफल, बिना किसी गड़बड़ी के काम करने की पुष्टि हुई है। सेवा में आने के बाद आकाश-एनजी हथियार प्रणाली भारतीय वायुसेना के लिए बहुत महत्वपूर्ण और उसकी क्षमता को कई गुना बढ़ाने वाली साबित होगी।ऑ

डीआरडीओ ने टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल का भी किया सफल परीक्षण

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को स्वदेश में विकसित कम वजन वाले ऐसी टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल का परीक्षण किया जिसे व्यक्ति के कंधे पर रख कर चलाया जा सकता है। इस सफल परीक्षण के साथ ही सेना द्वारा इसके निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। रक्षा मंत्रालय ने मिसाइल के सफल परीक्षण को सरकार के 'आत्मनिर्भर अभियान' की दिशा में बड़ा कदम बताया। इस मिसाइल का विकास भारतीय सेना की लड़ाकू क्षमता विकसित करने के लिए किया जा रहा है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए और भारतीय सेना को मजबूत करने के लक्ष्य से डीआरडीओ ने स्वदेश में विकसित कम वजन वाली, दागो और भूल जाओ, मैन पोर्टेबल टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) का 21 जुलाई को सफल परीक्षण किया।'' बताया गया है कि मिसाइल को थर्मल साइट से जुड़े मैन-पोर्टेबल लांचर से दागा गया और निशाना एक टैंक जैसी वस्तु को बनाया गया। मंत्रालय के बयान के अनुसार, ''मिसाइल ने उसपर सीधे-सीधे सटीक निशाना लगाया और उसे नष्ट कर दिया। न्यूनतम दूरी तक हमले का सफल परीक्षण हुआ। मिशन के सभी लक्ष्य पूरे हुए।'' बताया जा रहा है कि अधिकतम दूरी की मारक क्षमता के लिए मिसाइल का पहले ही सफल परीक्षण हो चुका है। रक्षा मंत्रालय राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और मिसाइल परियोजना में शामिल अन्य पक्षों को बधाई दी।

मिशन 2024 में जुटी ममता, 16 अगस्त को खेला होबे दिवस घोषित किया

कोलकाता ।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में शानदार जीत अर्जित करने के बाद तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी मिशन 2024 में जुट गई हैं। मिशन 2024 के लिए दीदी रणनीतियां बनाने में लगी हुई हैं।इस बीच ममता बनर्जी ने 16 अगस्त को खेला होबे दिवस घोषित किया है।इसके बाद राज्यसभा सांसद स्वपन दासगुप्ता ने ममता बनर्जी पर पलटवार किया है। स्वपन दासगुप्ता ने अपने ट्वीट में लिखा कि 16 अगस्त को ममता ने खेला होबे दिवस घोषित किया है। यह वहीं दिन है, जब मुस्लिम लीग ने अपना कार्य दिवस शुरू कर 1946 में ग्रेट कोलकाता हत्या की शुरुआत की थी। आज पश्चिम बंगाल में खेला होबे विरोधियों पर आक्रमक हमलों की लहर का प्रतीक बन गया है। बता दें कि ममता आज ही देश के अलग-अलग हिस्सों में वर्चुअल रैली कर रही है। अपनी रैली के दौरान ममता बनर्जी भाजपा पर जबरदस्त हमला कर रही हैं। 2024 को ध्यान में रखकर दीदी विपक्षी पार्टियों को साधने की कोशिश कर रही हैं। उनके सलाहकार प्रशांत किशोर लगातार विपक्षी दलों से मुलाकात कर रहे हैं। उधर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया है कि ममता बनर्जी के शपथ ग्रहण के बाद हुई हिंसा में अब तक 30 लोग मारे गए हैं।

पहला कॉलम

बकरीद के अवसर पर बीएसएफ और पाकिस्तानी रेंजर्स ने एक दूसरे को मिठाइयां भेंट की

नई दिल्ली। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तानी रेंजर्स ने बुधवार को सीमा के विभिन्न स्थलों पर ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर एक दूसरे को मिठाइयां भेंट की। वर्ष 2019 के बाद पहली बार दोनों देशों के सुरक्षा बलों ने आपस में मिठाइयां बांटकर इस त्यौहार की खुशियां साझा की हैं।उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार द्वारा पांच अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 के प्रावधानों को खत्म करने के बाद पाकिस्तान ने एकतरफा तरीके से त्यौहारों के अवसरों पर मिठाइयों के आदान-प्रदान करने के चलन को रोक दिया था। बीएसएफ ने बताया, बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच ईद के मौके पर मिठाइयों का आदान-प्रदान पंजाब के अमृतसर जिले में अटारी स्थित संयुक्त सीमा चौकी पर हुआ। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह मिठाइयों का आदान प्रदान दोनों देशों के बलों के बीच राजस्थान में पाकिस्तान से लगती सीमा पर भी हुआ। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया, हालांकि, पिछले साल कोरोना के कारण परंपरा स्थगित कर दी गई थी। बीएसएफ भारत और पाकिस्तान के बीच 2290 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करती है जो जम्मू, पंजाब, राजस्थान और गुजरात से गुजरती है। ईद-उल-अजहा के मौके पर जम्मू में भी सीमा पर दोनों बलों के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान हुआ।

बीकानेर में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 5.3 तीव्रता

बीकानेर। राजस्थान के बीकानेर जिले में बुधवार सुबह भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। अभी जान-माल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, बुधवार तड़के पांच बजकर 24 मिनट पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गई। भूकंप का केंद्र जमीन से नीचे 110 किलोमीटर की गहराई में था। जिला प्रशासन के अनुसार, इस दौरान अधिकतर लोग सो रहे थे,इसकारण किसी तरह की अफरा तफरी का माहौल नहीं बना। भूकंप से कोई हताहत नहीं हुआ है।

रूस में सारंग हेलीकॉप्टर माक्स एयर शो में करेगा प्रदर्शन

नई दिल्ली । भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकॉप्टर डिसप्ले टीम रूस के जुकोवस्की अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा में पहली बार माक्स अंतर्राष्ट्रीय एयर शो में प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह एयर शो एक द्विवार्षिक आयोजन है और इस वर्ष इसका आयोजन 20 से 25 जुलाई 2021 तक किया जाएगा। यह पहला अवसर है जब सारंग टीम अपने 'मेड इन इंडिया''ध्रुव' एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) के साथ रूस में अपने 4 हेलीकॉप्टर एरोबेटिक्स डिसप्ले करेगी। एचएएल निर्मित इन मशीनों में हिन्ज रहित रोटोर हैं और ये अत्याधुनिक एवियोनिक्स से सुसज्जित हैं जो उन्हें सैन्य उड्डयन के लिए बेहद अनुकूल बनाता है। भारतीय वायुसेना के अतिरिक्त,उन्हें सैन्य उड्डयन के लिए बेहद अनुकूल बनाता है। भारतीय वायुसेना के अतिरिक्त, भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक भी इस हेलीकॉप्टर को ऑपरेट करते हैं। सारंग टीम का निर्माण 2003 में बेंगलुरू में हुआ था और इसका पहला अंतर्राष्ट्रीय डिसप्ले 2004 में सिंगापुर में एशियन एयरोस्पेस एयर शो में हुआ था। उसके बाद से सारंग ने अभी तक संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, ब्रिटेन, बहरीन, मॉरीशस तथा श्रीलंका में एयर शो तथा औपचारिक अवसरों पर भारतीय उड्डयन का प्रतिनिधित्व किया है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्थानों पर एयरोबेटिक्स डिसप्ले के अतिरिक्त इस टीम ने उत्तराखंड में ऑपरेशन राहत (2013), केरल में ओखी तूफान (2017) तथा केरल में ऑपरेशन करूणा बाढ़ राहत (2018) जैसे अनगिनत मानवीय सहायता और आपदा राहत मिशनों में सक्रिय रूप से हिस्सा लिया है।

पीएम के हाथों 30 जुलाई को मिलेगी नौ नए मेडिकल कॉलेजों की सौगात

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश में चिकित्सा-स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूती देने में जुटी योगी सरकार राज्य के नौ जनपदों में 9 नए मेडिकल कॉलेजों का तोहफा देने जा रही है। यूपी के इतिहास में एक साथ इतनी बड़ी संख्या में नए मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 जुलाई को सिद्धार्थनगर से इन नए मेडिकल कॉलेजों का शुभारंभ एक साथ करेंगे। मेडिकल कॉलेजों में नए मेडिकल कॉलेज देवरिया, एटा, फतेहपुर, गाजीपुर, हरदोई, जौनपुर, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, सिद्धार्थनगर हैं। प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रशासन को सभी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नौ जनपदों में नवस्थापित मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है। यह राज्य के लिए ऐतिहासिक अवसर होगा कि जब एक साथ नौ जिलों में मेडिकल कॉलेजों का संचालन प्रारंभ हो रहा है। वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की नीति पर तेजी से कार्य करने वाली योगी सरकार ने महज चार सालों में प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को नए आयामों पर पहुंचाया है। प्रदेश में तेजी से 59 जनपदों में न्यूनतम एक मेडिकल कॉलेज क्रियाशील हो रहे हैं। बाकी 16 जनपदों के लिए पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे। मीरजापुर में मेडिकल कॉलेज का नामकरण मां विंध्यवासिनी के नाम पर होगा। गाजीपुर में नवस्थापित मेडिकल कॉलेज महर्षि विश्वामित्र के नाम से जाना जाएगा। देवरिया, एटा, फतेहपुर, हरदोई, प्रतापगढ़, सिद्धार्थ नगर और जौनपुर जनपदों में स्थापित हो रहे मेडिकल कॉलेजों का नामकरण भी इसी प्रकार किया जाएगा। ज्ञात हो कि यूपी में 2017 के पहले मात्र 12 मेडिकल कॉलेज ही हुआ करते थे। यूपी में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 48 हो चुकी है। प्रदेश में 13 और मेडिकल कॉलेजों के निर्माण का काम तेज गति से किया जा रहा है। सरकार नए मेडिकल कॉलेजों में 70 प्रतिशत फैकल्टी का चयन भी कर चुकी है।

चाहे पुलिस कर ले गिरफ्तार कर ले, संसद तक मार्च होगा जरुर : राकेश टिकैत

नई दिल्ली। कृषि कानून के खिलाफ जारी किसानों का आंदोलन फिर से चर्चा में है। किसान संगठनों ने घोषणा कि हैं कि 22 जुलाई को संसद तक मार्च किया जाएगा। इस लेकर राकेश टिकैत ने साफ कहा कि अगर पुलिस परमिशन नहीं देती है,तब कोई बात नहीं हम जरुर जाएंगे चाहे हमें गिरफ्तार कर लें। टिकैत ने कहा कि आंदोलन पूरी दुनिया में होते ही हैं, दिल्ली पुलिस जैसे चाहेगी हम उस शांतिपूर्ण तरीके से मार्च निकालने वाले हैं, टिकैत ने कहा कि ये लोग नहीं चाहते हैं, कि हम मार्च निकालें, क्योंकि अभी सदन चल रहा है। लेकिन जब कृषि कानून संसद में ही बना है,तब हम विरोध करने रामलीला मैदान या किसी और जगह क्यों जाएं। किसान नेता टिकैत ने कहा कि क्या हम संसद पहुंचकर सत्ता परिवर्तन कर देंगे? ये सिर्फ विरोध प्रदर्शन है, ये सांकेतिक होता है। संसद के पास हजारों लोग घूमते हैं, हम बताकर जा रहे हैं। हम सिर्फ लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जताना चाहते हैं, अगर इससे आसान कोई दूसरा तरीका हो, तब हमें बता दीजिए। 26 जनवरी की हिंसा को लेकर टिकैत ने कहा कि 26 जनवरी को आखिरकार ऐसा क्या हुआ था? हमारे द्वारा रिंग रोड मांगी थी, लेकिन उन्होंने तब अनुमति नहीं दी। यहीं लाल किले पर ले गए थे उन्होंने ही रास्ता बंद किया था और गांव के लोगों को रास्ते का पता नहीं था। गुरुवार के प्रदर्शन को लेकर टिकैत ने कहा कि हम संसद में शांतिपूर्वक तरीके से जाएंगे। पार्लियामेंट थाने के बाहर अपना मंच लगाएंगे और जब पार्लियामेंट खत्म हो जाएगा तब वापस आ जाएंगे, उसका तो समय भी निश्चित है।

9 लाख करोड़ रुपये की लागत से 2112 सड़क प्रोजेक्ट पूरा करने में जुटी केंद्र सरकार

नई दिल्ली।

देश में नौ लाख करोड़ से अधिक की कुल 2112 सड़क परियोजनाओं पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय कार्य करने में जुटा है। यह जानकारी राज्यसभा में बीते मंगलवार को हुए एक सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दी है। दरअसल, भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. अनिल अग्रवाल ने एक अतारांकित सवाल में पूछा था कि देश में निमार्णाधीन राष्ट्रीय राजमार्गों की राज्यवार संख्या कितनी है? सरकार ने इन राजमार्गों के निर्माण को पूरा करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए हैं? जिसका जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि देश में इस समय 2112 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। आमतौर पर राजमार्ग परियोजनाओं को पूरा करने के लिए दो-तीन वर्ष की समयसीमा रखी जाती है। भूमि अधिग्रहण, वन और पर्यावरण मंजूरी आदि में तेजी लाने पर ध्यान दिया जाता है। कोविड काल में राजमार्गों के निर्माण में देरी को कम करने और निर्माण सुविधा को बढ़ावा देने के लिए कई राहत उपाय किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने 30 जून 2021 तक निमार्णाधीन 2112 परियोजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इनकी कुल लंबाई 62402 किलोमीटर है।

जिसमें से जून 2021 तक 40080 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो गया है। इन परियोजनाओं पर 9 लाख 57 हजार 906 करोड़ रुपये का खर्च आया है। उत्तर प्रदेश में कुल 4117.87 किलोमीटर लंबाई की 86 परियोजनाएं हैं। इनकी लागत 84133 किलोमीटर है।

सीएए कानून से किसी भारतीय मुसलमान को कुछ नुकसान नहीं होगा: भागवत

नई दिल्ली।

संघ प्रमुख मोहन भागवत बुधवार को असम के दौरे पर हैं। इस मौके पर भागवत ने अपने संबोधन में कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम से किसी भी भारतीय नागरिक को कोई खतरा नहीं है। संघ प्रमुख ने कहा कि सीएए किसी भारत के नागरिक के विरुद्ध बनाया हुआ कानून नहीं है। भारतीय मुसलमान को सीएए से कुछ नुकसान नहीं होगा। विभाजन के बाद एक आश्वासन दिया गया कि हम अपने देश के अल्पसंख्यकों की चिंता करने वाले हैं, हम आजतक उसका पालन कर रहे हैं। पाकिस्तान ने आश्वासन का पालन नहीं किया। भागवत ने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए कानून को साम्प्रदायिक रूप दिया गया है। उन्होंने कहा कि 1930 से योजनाबद्ध तरीके से मुस्लमानों की संख्या बढ़ाने के प्रयास हुए, ऐसा विचार था कि जनसंख्या बढ़ाकर अपना वर्चस्व स्थापित कर फिर इस देश को पाकिस्तान बनाएंगे। ये विचार पंजाब, सिंध, असम और बंगाल के बारे में था, कुछ मात्रा में ये सत्य हुआ, भारत का विखंडन हुआ और पाकिस्तान हो गया। लेकिन जैसा पूरा चाहिए था वैसा नहीं हुआ। भागवत ने कहा कि हमें दुनिया से धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, लोकतंत्र सीखने की जरूरत नहीं है। यह हमारी परंपराओं में है, हमारे खून में है। हमारे देश ने इन्हें लागू किया है और इन्हें जीवित रखा है।

मैं स्व. अटल जी को राम और लालजी को लखन के रुप में देखता था: राजनाथ सिंह

लखनऊ।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वरिष्ठ भाजपा नेता लालजी टंडन की स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि यूपी में भाजपा को सत्ता के गलियारे में स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने मुख्य हजरतगंज क्षेत्र में बहुस्तरीय पार्किंग के सामने टंडन की 12 फुट ऊंची प्रतिमा का उद्घाटन करने के दौरान यह बात कही। सिंह ने कहा, 26 साल की उम्र में मैं पहली बार विधायक बना तब से टंडन जी के बारे में जानता हूं। प्रत्यक्ष रूप से भले समझ में न आए लेकिन मैं जानता हूं कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को सत्ता के गलियारे में टंडन जी ने स्थापित किया। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना होता था,तब उसमें टंडन जी की भागीदारी होती थी और कल्याण सिंह से लेकर सभी मुख्यमंत्री उनकी सलाह लेते थे। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने यूपी में 'अराजकता के माहौल को खत्म करने और राज्य के विकास को दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा भी की। रक्षा मंत्री ने कहा कि दो व्यक्ति लखनऊ में ऐसे थे, जो लखनऊ की संस्कृति, संस्कार और व्यवहार न केवल समझते थे बल्कि उसी के अनुरूप अपना जीवन जीते थे जिनमें एक डॉक्टर योगेश प्रवीन थे और दूसरे लालजी टंडन थे। उन्होंने कहा कि दोनों लखनऊ के 'इनसाइक्लोपीडिया थे। इतिहासकार प्रवीन का पिछले दिनों निधन हो गया। लालजी टंडन के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, व्यक्ति का पद और कद चाहे कितना बड़ा क्यों न हो, उसे अपनी जमीन से नहीं कटना चाहिए, यह सीखना हो तो टंडन जी से सीखें...संबंधों का निर्वाह वह बखूबी करते थे। उन्होंने कहा, सपा, बसपा, कांग्रेस सभी दल के नेताओं से उनके अच्छे रिश्ते थे। हर धर्म, हर मजहब के लोगों से उनके अच्छे रिश्ते थे। मायावती जी उप्र की मुख्यमंत्री थीं,तब उन्हें अपना भाई कहती थीं। संबंधों को जीवंत बनाए रखना सीखना हो तो यह टंडन जी से सीख सकते हैं। सिंह ने कहा, राजनीति में मतभेद हो सकते हैं, लेकिन मनभेद नहीं होना चाहिए, यह उनकी अवधारणा थी। उन्होंने विकास की राजनीति की, इसलिए लोग उन्हें विकास पुरुष के नाम से नवाजते थे। पूर्व प्रधानमंत्री वाजपेयी और टंडन के रिश्तों का जिक्र कर रक्षामंत्री ने कहा, मैं अटल जी को श्रीराम की भूमिका में देखता था... टंडन जी को लखनऊ के लखन के रूप में देखता था। सिंह ने कहा कि एक अखबार के एक अंक का लोकार्पण करते हुए यहां कभी अमृत लाल नागर ने कहा था कि लखनऊ के बारे में अगर उनसे ज्यादा कोई जानता है,तब वह टंडन हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टंडन ने पार्टी के पार्षद से लेकर नगर विकास मंत्री और बिहार व मध्यप्रदेश के राज्यपाल के रूप में अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान की और सार्वजनिक जीवन में लंबा समय व्यतीत किया। उन्होंने कहा कि समाज के हर तबके में उनके प्रशंसक थे और उन सभी के साथ उनका व्यवहार आत्मीयता का था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने लखनऊवासियों को अपनी पुस्तक अनकहा लखनऊ समर्पित की थी और लखनऊ वासियों ने उन्हें बाबूजी के रूप में भरपूर सम्मान दिया। आज टंडन जी हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी स्मृतियां हमारे साथ रहेंगी। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बाबूजी (लालजी टंडन) सिर्फ लखनऊ के नहीं बल्कि पूरे प्रदेश के थे और पूरे प्रदेश के लोग उन्हें दिल से मानते थे। वहीं

उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा कि टंडन सभी धर्मों के लोगों के बीच समान रूप से लोकप्रिय थे। वह लखनऊ की चलती फिरती विरासत थे।लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि पहले यह प्रतिमा लखनऊ चौक में प्रस्तावित थी लेकिन लोगों ने इसे अटल चौक के पास स्थापित करने का अनुरोध किया। उन्होंने पार्क का नाम टंडन के नाम पर रखने की घोषणा की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अश्लीलता के विरुद्ध

कारोबारी राज कुंद्रा का विवादों से पुराना नाता रहा है, लेकिन इस बार जिस जुर्म के आरोप में उनकी गिरफ्तारी हुई है, वह यकीनन बेहद संगीन और शर्मनाक है। कुंद्रा पर आरोप है कि वह अश्लील फिल्मों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़े हुए हैं और मुंबई से लेकर लंदन तक उनका नेटवर्क इसमें सक्रिय रहा है। पुलिस ने इस गुनाह में लिप्त कुछ लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया था और उन लोगों की निशानदेही पर ही कुंद्रा की कथित भूमिका का खुलासा हुआ। बहरहाल, अदालत ने कुंद्रा को 23 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है और उम्मीद की जानी चाहिए कि अगली सुनवाई में मुंबई पुलिस इस मामले से जुड़े ठोस साक्ष्य अदालत के सामने पेश कर सकेगी। इससे पहले साल 2012 में भी आईपीएल स्पॉट फिक्सिंग मामले में कुंद्रा की गिरफ्तारी हुई थी, और तब उनकी टीम राजस्थान रॉयल्स को दो साल का प्रतिबंध भी झेलना पड़ा था। अंततः इस फ्रेंचाइजी के साझीदारों ने कुंद्रा से अपना दामन छुड़ाने में ही भलाई समझी। राज कुंद्रा की गिरफ्तारी ने चकाचौंध भरी माया नगरी के स्याह पहलू से एक बार फिर हमें रूबरू कराया है, जिसमें नैतिकता के लिए कोई जगह नहीं, कायदे-कानूनों को लेकर कोई भय या सम्मान नहीं है। वरना सफेदपोश लोग ऐसे अपराध क्यों करते? यकीनन, इसके लिए पूरा तंत्र कुसूरवार है। सुशांत सिंह राजपूत की खुदकुशी के मामले में हमने देखा कि किस तरह उससे ड्रग्स पार्टियों, उसके कारोबार से जुड़ी कहानियों का सिलसिला सा चल पड़ा और वह मुकदमा अब तक किसी अंजाम पर नहीं पहुंचा। मामलों के यूं भटक जाने से ही शातिर अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। अश्लील सामग्रियों के बढ़ते कारोबार के पीछे पुलिस के इस दावे को न मानने की कोई वजह नजर नहीं आती कि लड़के-लड़कियों को बड़ी फिल्मों में काम दिलाने के नाम पर फंसाया जाता और फिर इस दलदल में धकेल दिया जाता था। ब्योरे हैं कि इस मामले के खुलासे के बाद कई लड़कियों, टीवी कलाकारों ने पुलिस में अपने बयान दर्ज कराए हैं। दरअसल, लॉकडाउन के दौरान ओटीटी प्लेटफॉर्मों की बढ़ी लोकप्रियता और सेंसर बोर्ड जैसा इनका कोई मजबूत नियामक न होने की वजह से ऐसे लोगों का हौसला बढ़ता गया। स्मार्टफोन और इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार ने अश्लील सामग्रियों के कारोबारियों के लिए अपार संभावनाएं पैदा कर दी हैं। दिसंबर महीने में ही विशेषज्ञों ने देश में ओटीटी के जरिये पोर्न उद्योग के लगभग 3,800 करोड़ रुपये सालाना की ऊंचाई छूने का अंदेशा जताया था। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने हाल में ओटीटी के लिए नियम-कायदे तय किए हैं। ताजा घटना बताती है कि देश में पोर्न कारोबार में किस स्तर के लोग अब शामिल होने लगे हैं। रातोंरात देश-दुनिया में छा जाने की चाहत तो पहले भी हजारों नौजवानों को मुंबई की धूल फांकने के लिए बाध्य करती थी, लेकिन अब वह उन्हें एक खतरनाक रास्ता दिखा रही है। आसानी से पैसे कमाने का प्रलोभन हमारे समूचे सामाजिक ताने-बाने पर भारी पड़ सकता है। फिर बढ़ते यौन अपराधों में ऐसी सामग्रियों की भूमिका को लेकर भी विशेषज्ञ आगाह करते रहे हैं। ऐसे में, 'मोरल पुलिसिंग' और यौन अपराध के अंतर को समझते हुए अश्लीलता के कारोबारियों को सख्ती से हतोत्साहित करने की जरूरत है।

'आज के ट्वीट

जीवन

अपने बच्चों को टीवी रियलिटी शो या अन्य कोई शो में भेजने से पहले सावधान इन बॉलीवुड के गिद्धों की नजर हमारे मासूम बच्ची का जीवन बरबाद कर सकती है।

-- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

नयी तकनीकों के सृजन में भारी निवेश

भरत झुनझुनवाला

यदि कर्मचारी ईमानदारी से काम करेंगे तो उन्हें वह निकाले, ऐसी कोई जरूरत नहीं है। अतः इस समय सार्वजनिक इकाइयों के श्रमिकों के हित साधने के स्थान पर सरकार को देश का तकनीकी भविष्य साधना चाहिए और तमाम गैर आवश्यक सार्वजनिक इकाइयों का निजीकरण करके उस मिली रकम को नयी तकनीकों के आविष्कार में लगाना चाहिए।

तकनीकों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में हम पिछड़ते जा रहे हैं। चीन ने सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर अपना यान उतारा है, सूर्य के ताप के बराबर का ताप अपनी प्रयोगशाला में बना लिया है और लड़ाकू विमानों को राफेल या दूसरी कंपनियों से खरीदने के स्थान पर स्वयं बनाने में सफलता हासिल की है। यदि हमें तकनीकों के क्षेत्र में अपनी पैठ बनानी है तो नयी तकनीकों के सृजन में भारी निवेश करना जरूरी होगा। लेकिन कोविड के इस काल में वर्तमान चालू खर्चों को सरकार पोषित नहीं कर पा रही है। यद्यपि वर्तमान वर्ष 2021-2022 के बजट में केंद्र सरकार ने पूंजी खर्चों में लगभग 35 फीसदी की वृद्धि की है और वर्तमान वर्ष में 5.5 लाख करोड़ रुपये का पूंजी खर्च करने का प्रस्ताव है परंतु यह फलीभूत होगा कि नहीं, यह निश्चित नहीं है। इस निवेश में नयी तकनीकों का क्या हिस्सा है, यह भी स्पष्ट नहीं है। सच यह है कि आने वाले समय में तकनीकों का ही बोलबाला होगा। जिस देश के पास आधुनिकतम तकनीकें होंगी वही विजयी होगा। हम देख चुके हैं कि किस प्रकार अमेरिका की आधुनिक पैट्रियट मिसाइलों ने सद्दाम हुसैन के इराक की सेना को चंद दिनों में ही ध्वस्त कर दिया था। इसलिए हमें तकनीकों में भारी निवेश करना होगा। प्रश्न है कि इसके लिए रकम कहां से आए? सरकारी इकाइयां तीन प्रकार की हैं। पहली इकाइयां सार्वजनिक सुविधाओं को प्रदान करने वाली हैं। जैसे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया हर जिले में क्लीयरिंग हाउस चलाता है अथवा जैसे सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन द्वारा पूरे देश के विद्यालयों को नियमित किया जाता है। इस प्रकार की सार्वजनिक इकाइयों को बनाए रखना जरूरी है। इन कार्यों को निजी हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। दूसरी इकाइयां वे हैं, जिनके समकक्ष निजी इकाइयां वर्तमान में सफल हैं। जैसे स्टेट बैंक को छोड़कर अन्य बैंकों के सामने कोटक महिंद्रा आदि प्राइवेट बैंक सफल हैं; अथवा जैसे एयर इंडिया के सामने इंडिगो एवं स्पाइस जेट एयरलाइन सफल है; अथवा जैसे तेल कंपनियों में इंडियन ऑयल के सामने रिलायंस सफल है। इन क्षेत्रों में सार्वजनिक इकाइयों को बनाए रखने का औचित्य नहीं है क्योंकि इन सेवाओं को निजी उद्यमी उपलब्ध करा सकते हैं। यह सही है कि निजी उद्यमियों द्वारा जनता से अधिक रकम वसूल कर मुनाफाखोरी की जा सकती है लेकिन इस समस्या को नियंत्रण व्यवस्था सुदृढ़ करके संभाला जा सकता है। जैसे ट्राई ने मोबाइल सेवा प्रदान करने वाली निजी कंपनियों पर नियंत्रण कर देश में सस्ती मोबाइल सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। इसी प्रकार रिज़र्व बैंक द्वारा निजी बैंकों के नियंत्रण से सस्ती बैंकिंग सेवाएं प्रदान करायी जा सकती हैं। इस प्रकार की तमाम इकाइयों का निजीकरण किया जा सकता है, जिनके द्वारा प्रदत्त सेवाएं निजी क्षेत्र द्वारा उपलब्ध करायी जा सकी हैं। वर्तमान में सार्वजनिक इकाइयों का 'मार्केट कैपिटलाइजेशन' यानी उनके शेयरों की बाजार में कीमत लगभग 20 लाख करोड़ है। इसके सामने वर्तमान वर्ष 2021-2022 में सरकार द्वारा कुल पूंजी खर्च केवल 5.5 लाख करोड़ रुपये किया जा रहा है। अतः यदि वर्तमान सार्वजनिक इकाइयों का निजीकरण कर दिया जाए तो हमें 20 लाख करोड़ की विशाल रकम मिल सकती है। इसमें यदि एक-चौथाई इकाइयां जैसे स्टेट बैंक को मान लें, जिनका निजीकरण नहीं करना चाहिए; तो हमें लगभग 15 लाख करोड़ रुपये की विशाल रकम मिल सकती है। इस विशाल रकम को हमें नयी तकनीकों के सृजन में तत्काल निवेश करना चाहिए। जैसे एक इकाई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बढ़ावा देने के लिए बनाई जा सकती है। वर्तमान में मेडिकल आदि क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की सहायता से डॉक्टरों द्वारा पर्चे आसानी से लिखे जा रहे हैं और रोगियों को लाभ मिल रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा रोगी के तमाम टेस्ट का अध्ययन करके डॉक्टर को सुझाव दिया जाता है। इससे डॉक्टर के लिए तमाम टेस्ट रिपोर्ट को स्वयं देखना आवश्यक नहीं रह जाता है। दूसरे, छठी पीढ़ी के इंटरनेट के सृजन के लिए हमें निवेश करना चाहिए। तीसरे, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसे इंटरनेट के माध्यम से किसी दफ्तर की सुरक्षा व्यवस्था को संचालित करना, एयर कंडीशनिंग को नियंत्रित करना इत्यादि में निवेश करने में बहुत संभावनाएं हैं। चौथा, आने वाले समय में जेनेटिक जीन परिवर्तन से नयी दवाएं इत्यादि बनाई जा रही हैं, जिस पर भी हमें निवेश करना चाहिए। जैसे आलू की प्रजाति में सुधार करके उसके माध्यम से विटामिन परोसा जा सकता है। पांचवां आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी जैसी वैकल्पिक दवाओं के विस्तार के लिए हमें इकाई बनानी चाहिए जो कि इन उपचार व्यवस्थाओं का अंतर्राष्ट्रीय प्रचार करें और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार इन पर शोध करें इत्यादि। छठा, अमेरिका की वर्जिन गैलेक्टिक कंपनी ने अंतरिक्ष में वाणिज्य यान भेजने का ऐलान किया है। इसी प्रकार भारत सरकार भी एक इकाई बना सकती है। वर्तमान में इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन द्वारा दूसरे देशों के सेटेलाइट को अंतरिक्ष में पहुंचाया जा रहा है। यही कार्य एक अलग इकाई द्वारा किया जा सकता है। चीन ने मंगल ग्रह पर अपना यान उतारा है। भारत भी वाणिज्यिक स्तर पर अंतरिक्ष एवं दूसरे ग्रहों में यान भेज सकता है। इन तमाम तकनीकी संभावनाओं को फलीभूत करने के लिए जरूरी है कि देश वर्तमान की तुलना में नयी तकनीकों के सृजन में 10 गुना निवेश बढ़ाए। सरकार के वर्तमान बजट के अंतर्गत यह संभव नहीं है। इसलिए सरकार को कठोर कदम उठाते हुए स्टेट बैंक को छोड़ कर अन्य सरकारी बैंकों, एयर इंडिया, तेल कंपनियों आदि का निजीकरण कर देना चाहिए और मिली हुई रकम को नयी तकनीकों के आविष्कार में निवेश करना चाहिए। इस सुझाव के विपरीत कहा जा सकता है कि जो सार्वजनिक इकाई के समीप हैं, उनके हितों को संरक्षित करने के लिए इनका निजीकरण नहीं होना चाहिए। पर यह तर्क नहीं ठहरता क्योंकि इकाई का निजीकरण किया जा रहा है। कर्मचारियों को सेवानिवृत्त नहीं किया जा रहा है। जो भी उद्यमी इन इकाइयों को खरीदेगा, उसे भी कर्मचारी की जरूरत होती है। यदि कर्मचारी ईमानदारी से काम करेंगे तो उन्हें वह निकाले, ऐसी कोई जरूरत नहीं है। अतः इस समय सार्वजनिक इकाइयों के श्रमिकों के हित साधने के स्थान पर सरकार को देश का तकनीकी भविष्य साधना चाहिए और तमाम गैर आवश्यक सार्वजनिक इकाइयों का निजीकरण करके उस मिली रकम को नयी तकनीकों के आविष्कार में लगाना चाहिए।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

युवा मन

आचार्य रजनीश ओशो/ यह बात ही झूठ है कि भारत का जवान राह खो बैठा है। भारत का जवान राह नहीं खो बैठा है, भारत की पूरी पीढ़ी की राह अचानक आकर व्यर्थ हो गई है, और आगे कोई राह नहीं है। एक रास्ते पर हम जाते हैं और फिर रास्ता खत्म हो जाता है, और खड्ड आ जाता है। आज तक हमने जिसे रास्ता समझा था वह अचानक समाप्त हो गया है, और आगे कोई रास्ता नहीं है। और रास्ता न हो तो खोने के सिवाय मार्ग क्या रह जाएगा? भारत का जवान नहीं खो गया है, भारत ने अब तक जो रास्ता निर्मित किया था, इस सदी में आकर हमें पता चला है कि वह रास्ता है नहीं। इसलिए हम बेराह खड़े हो गए हैं। रास्ता तो तब खोया जाता है जब रास्ता हो और कोई रास्ते से भटक जाए। जब रास्ता ही न बचा हो तो किसी को भटकने के लिए जिम्मेवार नहीं ठहराया जा सकता। जवान को रास्ते पर नहीं लाना है, रास्ता बनाना है। रास्ता नहीं है आज। और रास्ता बन जाए तो जवान सदा रास्ते पर आने को तैयार है, हमेशा तैयार है। क्योंकि जीना है उसे, रास्ते से भटक कर जी थोड़े सकेगा! बूढ़े रास्ते से भटके, तो भटक सकते हैं। क्योंकि अब उन्हें जीना नहीं है। लेकिन जिसे जीना है, वह भटक नहीं सकता। भटकना मजबूरी है उसकी। जीना है तो रास्ते पर होना पड़ेगा, क्योंकि भटके हुए रास्ते जिंदगी की मंजिल तक नहीं ले जा सकते हैं। जिंदगी की मंजिल तक पहुंचने के लिए ठीक रास्ता चाहिए, लेकिन रास्ता नहीं है। मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं कि युवक नहीं भटक गया है, हमने जो रास्ता बनाया था वह रास्ता ही विलीन हो गया; वह रास्ता ही नहीं है अब। आगे कोई रास्ता ही नहीं है। और अगर हम युवक वर्ग को ही गाली दिए जाएंगे कि तुम भटक गए हो, तो वह हम पर सिर्फ क्रुद्ध हो सकता है क्योंकि उसे कोई रास्ता दिखाई नहीं पड़ रहा है और आप कहते हैं भटक गए हो। हमने एक रास्ता बनाया था। वह रास्ता ऐसा था कि उसका व्यर्थ हो जाना अनिवार्य था। पहली तो बात यह है- हमने पृथ्वी पर चलने लायक रास्ता कभी नहीं बनाया। हमने रास्ता बनाया था, जैसे बेबीलोन में टॉवर बनाया था कुछ लोगों ने स्वर्ग जाने के लिए। वह जमीन पर नहीं जाता था, वह ऊपर आकाश की तरफ जा रहा था। स्वर्ग पहुंचने के लिए कुछ लोगों ने एक टॉवर बनाया था। हिंदुस्तान ने पांच हजार सालों में जमीन पर चलने लायक रास्ता नहीं बनाया, स्वर्ग पर पहुंचने के रास्ते खोजे हैं। स्वर्ग पर पहुंचने के रास्ते खोजने में हम पृथ्वी पर रास्ते बनाने भूल गए हैं।

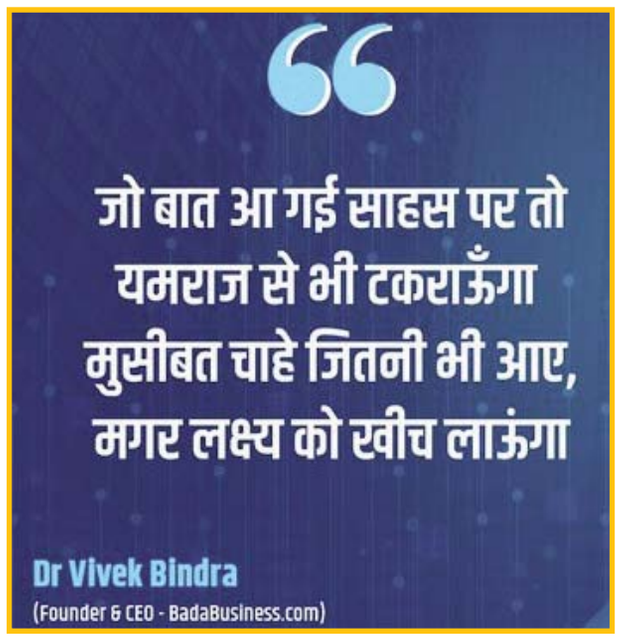

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

दक्षिण अफ्रीका में भारतवंशियों को बचाओ

- आर.के. सिन्हा

अजीब बिडंबना है कि जब भारत में 18 जुलाई को दक्षिण अफ्रीका के मुक्ति योद्धा नेल्सन मंडेला की जयंती मनाई जा रही थी, तब दक्षिण अफ्रीका में भारतवंशियों पर हमले हो रहे थे। हमले अब भी जारी हैं। वहां बसे भारतीयों के घरों-दुकानों और इमारतों में तोड़फोड़ की जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक, भारत के बाहर सर्वाधिक भारतीय दक्षिण अफ्रीका में ही बसे हुए हैं। इनकी कुल संख्या 20 लाख से ऊपर बताई जाती है। दरअसल दक्षिण अफ्रीका में पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा की गिरफ्तारी के बाद वहां के हालात बिगड़ गए। वहां दंगाइयों ने भारी पैमाने पर लूट मचाई है और अबतक दर्जनों लोगों की मौत हो गई है। भारतीय मूल के लोगों को जोहानिसबर्ग और क्वाजुलु नटाल में निशाना बनाया जा रहा है। आप पूछेंगे कि हिंसक तत्वों के निशाने पर भारतीय ही क्यों हैं ? इस सवाल का जवाब जानना जरूरी है। दरअसल जैकब जुमा को 15 महीने की कैद की सजा सुनाए जाने के बाद देश में हिंसा फैल गई। उन पर 2009 और 2018 के बीच राष्ट्रपति पद पर रहते सरकारी राजस्व में लूटखसोट का आरोप है। उन पर यह भी आरोप है कि उन्होंने भारत के उद्योगपति गुप्ता बंधुओं को खूब लाभ पहुंचाया। जिन अरबों रुपये के भ्रष्टाचार के मामलों में जुमा आरोपी हैं, उसी में गुप्ता बंधुओं का नाम भी शामिल है। गुप्ता परिवार जुमा का काफी करीबी था। गुप्ता बंधुओं पर आरोप है कि उन्होंने जुमा के बच्चों को भी फायदा पहुंचाया था। सीधी बात यह है कि जुमा या गुप्ता बंधुओं पर आरोप साबित होने पर एक्शन लिया गया दक्षिण अफ्रीका के कानून के मुताबिक। शेष भारतीयों के साथ ज्यादती करने का क्या मतलब है ? अफसोस होता है कि जिस देश में महात्मा गांधी ने अश्वेतों के हक और नस्लवाद के लिए खिलाफ लड़ाई लड़ी, वहां गांधी के देशवासियों के साथ घोर अन्याय हो रहा है। दक्षिण अफ्रीकी सरकार वहां हिंसा को रोकने में कमजोर क्यों पड़ रही है? क्या वह भूल गई है कि उनके देश के सर्वकालिक महानतम नेता नेल्सन मंडेला खुद ही गांधीजी को अपना आदर्श मानते थे? मंडेला का भारत से भी आत्मीय संबंध था। वे लंबी जेल यात्रा से रिहा होने के बाद 1990 में दिल्ली आए थे। वह उनकी जेल से रिहा होने के बाद पहली विदेश यात्रा थी। भारत सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया। भारत सरकार ने राजधानी में मंडेला के नाम पर नेल्सन मंडेला मार्ग रखा। दरअसल मित्र राष्ट्र आपसी सौहार्द के लिए एक-दूसरे के देशों के महापुरुषों, जननेताओं तथा राष्ट्राध्यक्षों के नामों पर अपने यहां सड़कों, पार्कों और संस्थानों के नाम रखते हैं। उसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए भारत सरकार ने मंडेला के नाम पर एक खास सड़क का नामकरण किया। गांधीजी के विचारों से प्रभावित मंडेला 1995 में फिर भारत आए। नेल्सन मंडेला के नाम पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में साल 2004 में नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कान्फ्लिक्ट रेज्युलुशन की स्थापना की गई। इस सेंटर की स्थापना मुख्य रूप से इसलिए की गई थी ताकि दुनियाभर में शांति और सद्भाव के लिए भारत की तरफ से की जाने वाली कोशिशों का गहराई से अध्ययन हो सके। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी में भी अफ्रीकन अध्ययन केन्द्र है। वहां नेल्सन मंडेला चेयर भी है। दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में मंडेला सेंटर तो नहीं है पर वहां सन 1954 से डिपार्टमेंट आफ अफ्रीकन स्टडीज सक्रिय है। जाहिर है कि डीयू में भी मंडेला पर अध्ययन तो होता होगा। दक्षिण अफ्रीका में फिलहाल भारतीयों के साथ जो कुछ हो रहा है, उससे साफ है कि कुछ भारत विरोधी शक्तियां ही यह सब करवा रही है। भारत तो सभी 54 अफ्रीकी देशों से बेहतर संबंध स्थापित करने को लेकर प्रतिबद्ध है। भारत अफ्रीका में बड़ा निवेशक है। अफ्रीका में टाटा, महिन्द्रा, भारती एयरटेल, बजाज आटो, ओएनजीसी जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियां कारोबार कर रही हैं और लाखों अफ्रीकी नागरिकों को रोजगार भी दे रही हैं। भारती एयरटेल ने अफ्रीका के करीब 17 देशों में दूरसंचार क्षेत्र में 13 अरब डालर का निवेश किया है। भारतीय कंपनियों ने अफ्रीका में कोयला, लोहा और मैगनीज खदानों के अधिग्रहण में भी अपनी गहरी रुचि जताई है। इसी तरह भारतीय कंपनियां दक्षिण अफ्रीकी कंपनियों से यूरेनियम और परमाणु प्रौद्योगिकी प्राप्त करने की राह देख रही है। दूसरी ओर अफ्रीकी कंपनियां एग्रो प्रोसेसिंग व कोल्ड चेन, पर्यटन व होटल और रिटेल क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के साथ सहयोग कर रही हैं। अगर बात पूर्वी अफ्रीका की करें तो अंग्रेज सन 1896 से लेकर 1901 के बीच करीब 32 हजार मजदूरों को भारत के विभिन्न राज्यों से केन्या, तंजानिया, युगांडा लेकर गए थे। इन्हें केन्या में रेल पटरियों को बिछाने के लिए ले जाये गये। सिखों का संबध रामगढिया समाज से था। पूर्वी अफ्रीका का सारा रेल नेटवर्क पंजाब के लोगों ने ही तैयार किया था। इन्होंने बेहद कठिन हालतों में रेल नेटवर्क तैयार किया। उस दौर में गुजराती भी केन्या में आने लगे। पर वे वहां पहुंचे बिजनेस करने के इरादे से न कि मजदूरी करने की इच्छा से। रेलवे नेटवर्क का काम पूरा होने के बाद अधिकतर पंजाबी श्रमिक वहीं बस गए। अब तो समूचे ईस्ट अफ्रीका के हर बड़े-छोटे शहर में भारतवंशी और उनके पूजास्थल हैं। केन्या के तो तमाम बड़े शहरों जैसे नैरोबी और मोम्बासा में बहुत सारे मंदिर और गुरुद्वारे हैं। इन भारतवंशियों के चलते भी अफ्रीका में भारत को लेकर एक बेहतर माहौल रहा है। कुछ समय पहले तक केन्या की राजधानी नैरोबी हो या फिर साउथ अफ्रीका के प्रमुख शहर, सभी में भारतीय कंपनियों के विशाल विज्ञापनों को प्रमुख चौराहों पर लगा हुआ देखा जा सकता था। भारत की ख्वाहिश रही है कि अफ्रीका के बाजार में भारत को और भी स्पेस मिले। समूचे अफ्रीका को लेकर भारत की सद्भावना को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका में समझा ही नहीं गया। इसीलिए वहां भारतवंशी हमलों के शिकार हो रहे हैं। ये हमले फौरन थमने चाहिए। दक्षिण अफ्रीका की सरकार को हिंसक तत्वों पर कसकर चाबुक चलानी चाहिए। उन्हें अपने देश के भारत मूल के नागरिकों को सुरक्षा देनी होगी। भारत के विदेश मंत्रालय को भी चाहिये कि वह दक्षिणी अफ्रीकी सरकार से राजनयिक स्तर पर इस मामले को गंभीरता से उठाये और भारतवंशियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। (लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खरीदारी को आसान बनाएगा एआर आधारित फ्लिपकार्ट कैमरा

बेंगलुरू। घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने बुधवार को फ्लिपकार्ट ऐप पर एक ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) क्षमता वाले फ्लिपकार्ट कैमरा के साथ एक इमर्सिव ई-कॉमर्स अनुभव पेश किया। यह नई पेशकश खरीदारों को खरीदारी करने से पहले कल्पना से अनुभव करने में सक्षम बनाएगी कि कोई उत्पाद वास्तव में कैसा दिखेगा। कंपनी ने कहा कि फ्लिपकार्ट कैमरा का उद्देश्य ग्राहकों के लिए ऑनलाइन अनुभव को अधिक आकर्षक और फायदेमंद बनाना है और उन्हें अवगत निर्णय (इन्फॉर्म्ड डिसिजन) लेने में मदद करना है। फ्लिपकार्ट के मुख्य उत्पाद और प्रौद्योगिकी अधिकारी जयंद्रन वेणुगोपाल ने एक बयान में कहा, फ्लिपकार्ट कैमरा फीचर के साथ, हमारा लक्ष्य उपभोक्ता के लिविंग रूम से ही आराम से उत्पादों के इन-हाउस प्रदर्शनों की पेशकश करके इस अनुभव को एक पायदान ऊंचा बनाना है, जिससे उन्हें खरीदने से पहले एक सूचित निर्णय लेने में मदद मिलती है। वेणुगोपाल ने कहा, इस तकनीक के दूरगामी अनुप्रयोग हैं और यह ग्राहकों के अनुभव को कई गुना बेहतर कर सकता है, साथ ही ग्राहकों को सही उत्पाद खोजने में मदद करता है। फर्नीचर, लगेज और बड़े उपकरणों जैसी श्रेणियों में, जहां ग्राहकों को खरीदारी का निर्णय लेने से पहले उत्पाद के आकार और उसके फिट होने या न होने का अनुमान लगाने और इसके सौंदर्य को समझने की आवश्यकता होती है, ग्राहक फ्लिपकार्ट कैमरा का उपयोग करके उत्पादों का एक दृश्य (3 डी के साथ) अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण श्रेणी, जहां यह क्षमता ग्राहकों के विश्वास का निर्माण करेगी और अनुमान को हटा देगी, वह है ब्यूटी कैटेगरी, जिसमें ग्राहकों को निर्णय लेने से पहले उत्पादों को आजमाने का मौका मिलता है। स्मार्टफोन के तेजी से अपनाने की धारणा के साथ ही ग्राहकों के बीच अब ऑगमेंटेड रियलिटी के उपयोग को भी बढ़ावा मिला है। गार्टनर की एक रिपोर्ट के अनुसार, जेन जेड और मिलेनियल्स एआर और वर्चुअल रियलिटी (वीआर) सुविधाओं की मांग को बढ़ा रहे हैं, 30 प्रतिशत सैंपल स्पेस अपने खरीदारी अनुभव में अधिक एआर/वीआर क्षमताओं को शामिल करना चाहते हैं।

ओडिशा में वीएसएस हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम चालू किया गया

भुवनेश्वर। ओडिशा के झारसुगुडा में वीर सुरेंद्र साई (वीएसएस) हवाई अड्डे पर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम (आईएलएस) चालू हो गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) ने एक ट्वीट में कहा कि आईएलएस हवाईअड्डे पर विमान की सटीक लैंडिंग में मदद करेगा। यह खराब मौसम और कम दृश्यता की स्थिति के दौरान उड़ान की नियमितता को भी पॉजिटिव रूप से प्रभावित करेगा। परियोजना की कुल लागत लगभग 15 करोड़ रुपये है। नया आईएलएस 15 जुलाई, 2021 को चालू हो गया। एएआई ने कहा कि सुविधा की स्थापना, परीक्षण, कमीशनिंग और उड़ान निरीक्षण सभी कोविड -19 संबंधित सुरक्षा सावधानियों को ध्यान में रखते हुए किया गया था। सूत्रों ने कहा कि आईएलएस के संचालन से पहले, उड़ानें डॉपलर वेरी हाई-फ्रीक्वेंसी ओमनी रेंज (डीवीओआर) और डिस्टेंस मेजरिंग इक्विपमेंट (डीएमई) प्रक्रिया का उपयोग करते हुए ओडिशा के दूसरे कार्यात्मक हवाई अड्डे पर उतर रही थीं। सितंबर 2018 में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा की अपनी यात्रा के दौरान हवाई अड्डे का उद्घाटन किया था। वर्तमान में, एयर इंडिया और स्पाइसजेट हवाई अड्डे से कोलकाता, दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों के लिए उड़ानें संचालित करती हैं।

यील्ड कर्व बढ़ने से बैंकों के मुनाफे पर असर पड़ सकता है : इंडिया रेटिंग्स

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुद्रास्फीति की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण लंबी अवधि के प्रतिफल कर्व पर अपेक्षित दबाव भारतीय बैंकिंग प्रणाली की लाभप्रदता को प्रभावित कर सकता है। अनुसार, प्रतिफल कर्व में 100 आधार अंक (बीपी) ऊपर की ओर बदलाव सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के पूर्व-प्रावधान परिचालन लाभ (पीपीओपी) को 8 प्रतिशत और निजी बैंकों के 3.2 प्रतिशत तक प्रभावित कर सकता है, सभी बैंकिंग प्रणाली के लिए, प्रभाव 5.8 प्रतिशत हो सकता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने एक रिपोर्ट में कहा, प्रतिफल वक्र में 100बीपी आंदोलन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के सामान्य इक्विटी टियर 1 को 28बीपी और निजी बैंकों के 13बीपी तक प्रभावित करेगा, जबकि समग्र बैंकिंग प्रणाली के लिए, प्रभाव 22बीपी साल दर साल हो सकता है। इसमें कहा गया है, यह कर के बाद के आधार पर लिया गया है, बैंकों की अपनी ट्रेडिंग बुक को पुनर्वर्गीकृत करने की क्षमता और कम पेंशन लागत से संभावित आंशिक ऑफसेट पर विचार किए बिना। पिछले ब्याज दर चक्रों का विश्लेषण करने पर, इंडिया रेटिंग्स ने देखा कि वित्त वर्ष 2005 के बाद से उपज वक्र विस्तार के तीन चक्र हुए हैं, जो ट्रेजरी आय और ब्याज दर आंदोलन के बीच एक मजबूत उलटा सहसंबंध दिखाते हैं। इसके अलावा, पीएसबी के लिए देखी गई संवेदनशीलता निजी बैंकों की तुलना में बहुत अधिक थी। इसके अलावा, यह कहा गया है कि वित्त वर्ष 17 के बाद से क्रेडिट उठाव मौन रहा है, बैंक उच्च वैधानिक तरलता अनुपात (एसएलआर) रखने और ब्याज दर जोखिम वहन करने के बीच संतुलन बनाए हुए हैं, साथ ही गिरती ब्याज दर के माहौल में ऋण देकर जोखिम उठा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि, पहली कोविड लहर के बाद, आरबीआई ने बैंकों को अपने कुल निवेश का 25 प्रतिशत से अधिक ट्रेडिंग निवेश श्रेणी के तहत रखने की अनुमति दी है, उनके अधीन एसएलआर के रूप में 22 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी है।

एशियन पेंट्स का मुनाफा पहली तिमाही में दोगुना हुआ

नई दिल्ली: एशियन पेंट्स ने मंगलवार को कहा कि 30 जून 2021 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान उसका संचयी लाभ दो गुना से अधिक बढ़कर 574.30 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 219.61 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। एशियन पेंट्स ने शेयर बाजार को बताया कि अप्रैल-जून 2021 के दौरान उसकी परिचालन आय 91.1 प्रतिशत बढ़कर 5,585.36 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2,922.66 करोड़ रुपए थी। एशियन पेंट्स के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित सिंगल ने कहा, ''घरेलू डेकोरेटिव व्यवसाय का आकार बढ़कर दोगुने से अधिक हो गया और पिछले साल के निचले आधार प्रभाव के मुकाबले आय में जोरदार बढ़ोतरी हुई।'' सिंगल ने कहा कि कंपनी के औद्योगिक कारोबार और गृह सज्जा कारोबार ने भी पिछले साल के मुकाबले अपनी आय को दोगुना किया।

परिपक्व भारतीय निवेशक अमेरिकी बाजारों में ईटीएफ में निवेश बढ़ा रहे

नई दिल्ली। ब्रिटेन स्थित वित्तीय सेवा फर्म विनवेस्टा ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय निवेशक, खासकर मिलेनियल्स, पोर्टफोलियो विविधीकरण के लिए अमेरिकी बाजारों में अपनी भागीदारी बढ़ा रहे हैं। विनवेस्टा इन्वेस्टर पल्स रिपोर्ट जून 2021 भारत भर के खुदरा निवेशकों के एकत्रित आंकड़ों पर आधारित है, जो इसके प्लेटफॉर्म पर अमेरिकी इक्विटी के आंशिक शेयरों में निवेश करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी बाजारों में परिपक्व भारतीय निवेशकों के बीच एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) निवेश अधिक लोकप्रिय है। यह ईटीएफ से स्पष्ट है, जो विनवेस्टा पर प्रबंधन के तहत समग्र परिसंपत्ति (एयूएम) में लगभग 13 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विन्वेस्टा में ईटीएफ में एयूएम पिछले छह महीनों में 325 फीसदी बढ़ा है, जबकि इसी अवधि में शेयरों में एयूएम 185 फीसदी से अधिक बढ़ा है। यह अमेरिका में मीम स्टॉक घटना के कारण व्यापारियों और युवा निवेशकों की रुचि में तेज वृद्धि के बावजूद है। रिपोर्ट के अनुसार, जहां कई भारतीय निवेशकों के लिए, अमेरिकी निवेश लोकप्रिय एफएएएनजी (फेसबुक, एप्पल, अमेजन, नेटफ्लिक्स, गूगल) शेयरों का पर्याय है, ये स्टॉक प्लेटफॉर्म पर कुल स्टॉक निवेश का केवल 17 प्रतिशत ही बनाते हैं। विन्वेस्टा ने कहा कि यह अनुपात पिछले साल की शुरूआत से नीचे की ओर बढ़ा है, लेकिन दूसरी तिमाही में स्थिर बना हुआ है। भारतीय निवेशकों के लिए क्यू2 2021 में शीर्ष 10 स्टॉक - एप्पल, टेस्ला गेमस्टॉप, अमेजन, माइक्रोसॉफ्ट, एएमसी एंटरटेंमेंट, फेसबुक, नेटफ्लिक्स, पेलंटिर टेक्नोलॉजी और एनआईओ थे। क्यू2 में निवेशकों की रुचि को पकड़ने वाले नए स्टॉक एएमसी, पीएलटीआर और सीओआईएन थे। जीएमई लेन-देन की मात्रा के हिसाब से प्लेटफॉर्म पर तीसरा सबसे अधिक कारोबार किया जाने वाला स्टॉक था, और एयूएम द्वारा लेन-देन करने वाला सबसे लोकप्रिय स्टॉक था।

माइक्रोसॉफ्ट तेलंगाना में खोलेगी डेटा सेंटर! करेगी 15,000 करोड़ रुपए निवेश

मुंबई (एजेंसी):

अमेरिका की तकनीकी दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट तेलंगाना में 15,000 करोड़ रुपए के निवेश से डेटा सेंटर बनाने की तैयारी में है। इसके लिए कंपनी राज्य सरकार से अंतिम चरण की बातचीत कर रही है। सूत्रों के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट ने हैदराबाद के समीप भूखंड को भी चिह्नित कर लिया है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने नाम जाहिर न करने की शर्त पर बताया, %तेलंगाना में आईटी क्षेत्र में कुछ बड़े निवेश की संभावना देखी जा रही है। माइक्रोसॉफ्ट यहां अपना डेटा सेंटर बनाएगी और इसकी घोषणा जल्द जा सकती है। यह डेटा सेंटर हैदराबाद के समीप होगा। माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के प्रवक्ता ने इस बारे में कोई टिप्पणी करने से मना कर दिया। 2019 में माइक्रोसॉफ्ट और रिलायंस जियो ने भारत में क्लाउड डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए दीर्घावधि करार किया था। समझौते के तहत माइक्रोसॉफ्ट की योजना ऐसे छोटे कारोबारी घरानों को लक्षित कर जियो नेटवर्क पर एजर क्लाउड लाने की थी, जो क्लाउड तकनीक अपनाना चाहते हैं। बीते समय में भारत में डेटा सेंटर के क्षेत्र में कई वैश्विक दिग्गजों ने निवेश किया है। एमेजॉन वेब सर्विसेज, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, प्राइवेट इक्विटी फर्में और स्थानीय कंपनियों ने भी डेटा सेंटर खोलने में दिलचस्पी दिखाई है। प्रैक्सिस ग्लोबल अलायंस रिपोर्ट के अनुसार, 2024 तक डेटा सेंटर की आय करीब 4 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, साथ ही आईटी पावर लोड की क्षमता इस दौरान सालाना 16 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ सकती है। डेटा के स्थानीयकरण नियमों और कंपनियों के डिजिटल की दिशा में कदम बढ़ाने से क्लाउड तकनीक की मांग बढ़ रही है। पिछले हफ्ते गूगल ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में अपना नया क्लाउड क्षेत्र शुरू करने की घोषणा की थी। इसके जरिए भारत के सार्वजनिक क्षेत्र और एशिया प्रशांत क्षेत्र के ग्राहकों को सेवाएं दी जाएंगी। पिछले साल एमेजॉन वेब सर्विसेस ने तेलंगाना में डेटा सेंटर खोलने के लिए 2.8 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। सूत्रों ने कहा कि एमेजॉन का यह निवेश 10 साल के दौरान होगा वह तीन अलग-अलग जगहों पर डेटा सेंटर स्थापित कर रही है। ब्रुकफील्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर भी भारत में बीएएम डिजिटल रियल्टी ब्रांड नाम से डेटा सेंटर विकसित करने के लिए संयुक्त उपक्रम बनाने की योजना पर काम कर रही है।

आयकर समीक्षा के पुराने मामले दोबारा खोलने के लिए आ सकता है अध्यादेश

नई दिल्ली (एजेंसी):

सरकार कर समीक्षा के पुराने मामलों से निपटने के लिए कानूनी विकल्प तलाश रही है। इनमें आयकर अधिनियम में अध्यादेश जोडना भी शामिल है। कर समीक्षा के इन मामलों में पुराने नियमों के तहत 1 अप्रैल से 30 जून के बीच नोटिस जारी हुए थे। आयकर विभाग के इस कदम को कई कंपनियों और व्यक्तिगत करदाताओं ने उच्च न्यायालयों में चुनौती दी है। उन्होंने इन नोटिसों की वैधता को चुनौती देती याचिकाएं दायर की हैं। उनकी दलील है कि विभाग का यह कदम अवैध और मनमाना है क्योंकि आयकर अधिनियम के पुराने प्रावधानों के तहत अब कार्रवाई नहीं हो सकती। दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में दर्जनों करदाताओं को विभाग के नोटिस पर उच्च न्यायालयों से अंतरिम स्थगन आदेश मिल गया है। मामले की जानकारी रखने वाले दो अधिकारियों ने कहा कि अगर न्यायालयों के आदेश अनुकूल नहीं रहते हैं और उस अवधि में जारी नोटिस वापस लेने के लिए कहा जाता है तो इस तरह के कानूनी उपायों पर विचार किया जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि विभाग उच्च न्यायालयों के अंतरिम आदेशों का अध्ययन कर रहा है और संबंधित मामलों में तर्कसंगत जवाब भी तैयार कर रहा है। पुराने आयकर कानून 31 मार्च तक ही प्रभावी थे और उनके तहत पिछले छह साल के कर मामलों को समीक्षा के लिए दोबारा खोला जा सकता था। मगर वित्त विधेयक, 2021 पारित होने के बाद ये प्रावधान खत्म हो गए। मगर कर विभाग ने इसे 30 जून तक वैध करार दिया और उसी के मुताबिक 1 अप्रैल से 30 जून तक के बीच हजारों करदाताओं को नोटिस जारी कर दिए। नया आयकर कानून अप्रैल से प्रभावी हो गया है। इसमें केवल पिछले तीन साल के मामले समीक्षा के लिए खोले जा सकते हैं। 50 लाख रुपए या अधिक की कर चोरी वाले फर्जीवाड़े के गंभीर मामलों को 10 साल तक खोला जा सकता है। कर विभाग का मानना है कि करदाता विभाग के किसी खास कदम को चुनौती नहीं दे सकते क्योंकि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के बीच कर अनुपालन से जुड़ी विभिन्न समय सीमा बढ़ाई गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने महामारी की दूसरी लहर से पैदा हुई स्थिति के कारण अवधि बढ़ाए जाने की जानकारी दी थी।

एनटीपीसी ने मध्यप्रदेश में 450 मेगावॉट की सौर परियोजनाओं की नीलामी जीती

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम-एनटीपीसी की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल), मध्य प्रदेश (एमपी) के शाजापुर सौर ऊर्जा पार्क में 450 मेगावॉट की सौर परियोजनाओं के लिए रीवा अल्ट्रा मेगा सोलर लिमिटेड (आरयूएमएसएल) नीलामी में विजेता बनकर उभरी है। एनटीपीसी रिन्यूएबल्स ने क्रमशः 2.35 रुपये प्रति किलोवॉट घंटा, और 2.33 रुपये प्रति किलोवॉट घंटा के न्यूनतम मूल्य का हवाला देते हुए 105 मेगावॉट और 220 मेगावॉट की क्षमता प्राप्त की है। नीलामी के लिए बोली लगाने वालों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और कुल 15 बोली लगाने वालों को अंतिम चरण के लिए चुना गया। हाल ही में, एनटीपीसी आरईएल को एमएनआरई द्वारा 12 जुलाई 2021 को सौर ऊर्जा पार्क योजना के मोड 8 (अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क) के तहत मंजूरी प्रदान की गई थी। अपने हरित ऊर्जा पोर्टफोलियो में वृद्धि के एक हिस्से के रूप में, भारत की सबसे बड़ी ऊर्जा एकीकृत कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड का लक्ष्य 2032 तक 60 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा क्षमता का निर्माण करना है।

कब आएगा पतंजलि का आईपीओ, बाबा रामदेव ने दी जानकारी

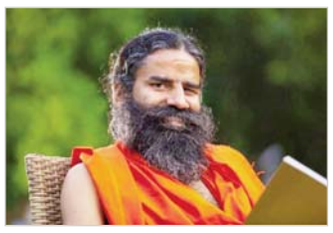

(एजेंसी):

पतंजलि के आईपीओ को लेकर बाबा रामदेव ने बड़ा खुलासा किया है। उनका कहना है कि कंपनी का आईपीओ इस साल नहीं आएगा लेकिन इस बारे में इस वित्त वर्ष के अंत तक कोई फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि आजकल वह रुचि सोया के फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (FPO) के सिलसिले में विभिन्न इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स से मिल रहे हैं। बाबा रामदेव ने ETMarkets.com के साथ इंटरव्यू में कहा कि पतंजलि के आईपीओ के बारे में हम जल्दी ही कोई फैसला लेंगे। इसके लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा कि रुचि सोया के इश्यू में निवेशक अच्छी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इसका कीमत सभी मौजूदा और संभावित शेयरहोल्डर्स के हितों को ध्यान में रखते हुए तय की जाएगी। उनकी योजना कंपनी को बड़ी एफएफसीजी कंपनी में बदलना है।

पतंजलि का टर्नओवर

वित्त वर्ष 2021 में पतंजलि का टर्नओवर 30,000 करोड़ रुपए से अधिक था। इसमें रुचि सोया की बिक्री का योगदान 16,318 करोड़ रुपए का था। बाबा रामदेव की अगुवाई वाली पतंजलि ने न्यूट्रीला सोया चंक के लिए मशहूर इस दिवालिया कंपनी को जुलाई 2019 में 4,350 करोड़ रुपए में खरीदा था। अधिग्रहण की प्रक्रिया 2019 में पूरी हुई थी। 27 जनवरी 2020 को कंपनी का शेयर 17 रुपए के भाव पर फिर से स्टॉक एक्सचेंजेज पर लिस्ट हुआ था। मंगलवार को यह 1,177.80 रुपए पर बंद हुआ। रुचि सोया में प्रमोटर स्टेक 98.9 फीसदी है और उसे दिसंबर 2022 तक इसे घटाकर 75 फीसदी करना है। बाबा रामदेव ने कहा कि उनका लक्ष्य दो साल के भीतर कंपनी को कर्जमुक्त बनाना है। कंपनी का कहना है कि एफपीओ से मिलने वाली रकम में से 2,663 करोड़ रुपए कर्ज उतारने में और 593.4 करोड़ रुपए वर्किंग कैपिटल पर खर्च किए जाएंगे। बाकी राशि जनरल कॉरपोरेट पर्पज के लिए इस्तेमाल की जाएगी।

कर कटौती, खर्च में कमी से बीते वित्त वर्ष में भारतीय कंपनियों का मुनाफा 105 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई (एजेंसी):

भारतीय कंपनियों के मुनाफे में 2020-21 में 105 प्रतिशत की जबर्दस्त बढ़ोतरी हुई है। साल 2019 में कॉरपोरेट कर की दर मे भारी कटौती तथा महामारी की वजह से लागत में कटौती से कंपनियों के मुनाफे में अच्छी-खासी वृद्धि हुई है। हालांकि, इस दौरान कंपनियों की आय में पांच प्रतिशत की गिरावट आई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।एसबीआई रिसर्च के एक विश्लेषण के अनुसार 4,000 सूचीबद्ध कंपनियों ने रिकॉर्ड कॉरपोरेट कर का भुगतान किया है। वित्त वर्ष 2020-21 में इन कंपनियों ने 1.90 लाख करोड़ रुपए कॉरपोरेट कर अदा किया। यह 2019-20 के 1.40 लाख करोड़ रुपए से 50,000 करोड़ रुपए अधिक है। सरकार ने सितंबर, 2019 में कॉरपोरेट कर की प्रभावी दर को 35 से घटाकर 26 प्रतिशत कर दिया था। इसके अलावा महामारी की वजह से भी इन कंपनियों ने अपने खर्च में कमी की है जिससे उनका मुनाफा बीते वित्त वर्ष में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इन कंपनियों का औसत राजस्व बीते वित्त वर्ष में पांच प्रतिशत घट गया लेकिन उनके शुद्ध लाभ में 105 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। हालांकि, रिपोर्ट में कंपनी के मुनाफे का आंकड़ा नहीं दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कर में कटौती ने महामारी के दौरान इन कंपनियों की आय में 19 प्रतिशत का योगदान दिया। वहीं सीमेंट, टायर और टिकाऊ उपभोक्ता सामान कंपनियों की आय में यह योगदान 50 प्रतिशत से अधिक रहा।

भारतीय स्टार्टअप परिवेश को 2030 तक वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन में शामिल करने का लक्ष्य: एडीआईएफ

नई दिल्ली (एजेंसी):

डिजिटल स्टार्टअप थिंकटैंक एडीआईएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा कि संस्था ने भारतीय स्टार्टअप परिवेश को 2030 तक वैश्विक स्तर पर शीर्ष तीन में शामिल करने के लिए एक योजना तैयार की है। इसके लिए ज्ञान का आधार बढ़ाने, सहयोग में वृद्धि और सही नीतिगत ढांचे की स्थापना पर जोर दिया जाएगा। एलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) के कार्यकारी निदेशक सिजो कुरुविला जॉर्ज ने बताया कि स्टार्टअप को गूगल प्ले स्टोर और एपल ऐप स्टोर के साथ जिन मुद्दों का सामना करना पड़ता है, उस पर बातचीत करके दोनों पक्षों के लिए उपयुक्त रास्ते का पता लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, ''अब हम वैश्विक स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप बाजार हैं और हमारे यहां 50 यूनिकॉर्न स्टार्टअप हैं। हम सिर्फ अमेरिका (122) और चीन (92) से पीछे हैं। हम आकार के मामले में तीसरे सबसे बड़े हैं, लेकिन भारतीय स्टार्टअप परिवेश रैंकिंग के मामले में 20वें स्थान पर है। जार्ज ने कहा, ''अगर हम आकार में तीसरे सबसे बड़े हैं, तो हमें रैंकिंग के मामले में भी कम से कम तीसरे स्थान पर रहने का लक्ष्य तय करना चाहिए। हमारा लक्ष्य भारतीय स्टार्टअप परिवेश को वर्ष 2030 तक विश्व स्तर पर शीर्ष तीन में लाना है।''उन्होंने कहा कि एडीआईएफ आने वाले दिनों में एक गठबंधन बनाने पर विचार करेगा, जहां बहुत सारा ज्ञान साझा किया जा सकता है। जॉर्ज ने कहा कि एडीआईएफ में हम इस ज्ञान को संकलित करेंगे और इसे अपने युवा उद्यमियों तक पहुंचाएंगे। इसके अलावा स्टार्टअप के अनुकूल नीतियां तैयार करने के लिए पैरोकारी करने पर भी ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मारुति ने ग्रामीण बाजारों में 50 लाख की कुल बिक्री का आंकड़ा पार किया

नई दिल्ली (एजेंसी):

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने भारत के ग्रामीण बाजारों में 50 लाख की कुल बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने एक बयान में कहा कि देश के ग्रामीण हिस्सों में 1,700 से अधिक खास आउटलेट के साथ, उसकी कुल बिक्री का लगभग 40 प्रतिशत आज ग्रामीण बाजारों से आता है। कंपनी की कुल बिक्री चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में 3,53,614 इकाई रही। वित्त वर्ष 2020-21 में कुल बिक्री 14,57,861 इकाई थी, जो 2019-20 की कुल बिक्री 15,63,297 इकाई के मुकाबले कम थी। एमएसआईएल के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (विपणन और बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए गर्व है कि हमारे ग्राहकों और स्थानीय डीलर भागीदारों के समर्थन से हमने ग्रामीण भारत में कुल बिक्री के लिहाज से 50 लाख का आंकड़ा पार किया है। उन्होंने कहा, ग्रामीण बाजारों का कंपनी के कारोबार में एक विशेष स्थान है। वर्षों से हमने इस खंड की जरूरतों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया है, हम ग्रामीण भारत में ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप उत्पादों और सेवाओं को उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओलंपिक के दौरान 5,000 डोप परीक्षण होंगे : आईओसी

टोक्यो । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा है कि डोपिंग रोकने ओलंपिक के दौरान 5,000 डोप परीक्षण होंगे। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) प्रतियोगिता के दौरान और इसके अलावा डोप परीक्षण के लिए करीब 5000 नमूने लेगी। आईटीए ने कहा कि उसने अपना सबसे विस्तृत डोपिंग रोधी कार्यक्रम लागू किया है। आईटीए ने यहां आईओसी के 138वें सत्र के दौरान यह बात कही। खेलों का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को होगा। आईओसी ने डोपिंग रोधी कार्यक्रम पर विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) और आईटीए दोनों से ताजा जानकारी भी हासिल की। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय खेल पंचाट (आईसीएएस) की रिपोर्ट भी चर्चा के लिए आई। खेलों में डोपिंग रोधी प्रणाली के दौरान परीक्षण और सजा दोनों का फैसला आईटीए और खेल पंचाट का डोपिंग रोधी विभाग (सीएएस एडीडी) करेगा। आईटीए फाउंडेशन बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. वालेरी फोरनेरोन ने टोक्यो 2020 खेलों के लिए खेल पूर्व परीक्षण कार्यक्रम की जानकारी दी।

एंटेटोकोनम्पो की बदौलत बक्स ने जीता एनबीए चैंपियनशिप

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

गियानिस एंटेटोकोनम्पो की बदौलत बक्स ने 50 साल में पहली बार एनबीए चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। एंटेटोकोनम्पो ने पिछले साल दिसंबर में मिल्वौकी बक्स के साथ अपने करार में बहुवर्षीय विस्तार के बाद कहा था, आइए इन वर्षों को उपयोगी बनाएं। शो चलता रहेगा, चलो इसे (एनबीए खिताब) हासिल करते हैं। इसके बाद जुलाई 2021 आया जब एंटेटोकोनम्पो ने जो कहा था,उसे पूरा किया और बक्स को 50 साल में पहली बार एनबीए चैम्पियन बनाकर दम लिया। एंटेटोकोनम्पो ने अपनी टीम के खिताब दिलाने के सफर में 50 अंक हासिल किए, जिनमें 14-रिबाउंड और पांच-ब्लॉक्स गेम शामिल हैं। यह एंटेटोकोनम्पो का ही कमाल है कि बक्स ने गेम 6 में फीनिक्स सन्स को 105-98 से हराकर पहली बार एनबीए चैम्पियन का ताज पहना। ग्रीस के इस दिग्गज खिलाड़ी चैंपियनशिप हासिल करने के लिहाज से सबसे अहम मैच में वह सब किया, जिसके लिए वह मशहूर हैं। एंटेटोकोनम्पो ने सही मायने में दिखाया क वह क्या करने में सक्षम है और इसी के दम पर उन्होंने बिल रसेल फाइनल एमवीपी खिताब अर्जित किया। वह फाइनल्स के इतिहास में 50-पॉइंट, 10-रिबाउंड और 5-ब्लॉक परफार्मेंस करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। साथ ही वह एनबीए फाइनल्स गेम में 50-अंक प्राप्त करने वाले लेब्रोन जेम्स, रिक बैरी, जेरी वेस्ट, माइकल जॉर्डन, एल्गिन बायलर और बॉब पेटिट के क्लब में भी शामिल हो गए। वह और पेटिट केवल दो एसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने चैंपियनशिप हासिल करने वाले गेम में 50-अंक जुटाए हैं। यह एक ऐसा दिन था जब एंटेटोकोनम्पो ने कोई गलती नही की और फ्री फ्लो थ्रो लाइन से अपने 19 प्रयासों में से 17 में अंक हासिल किए। यह वो कला है जिसके लिए वह दुनिया भर में मशहूर हैं। खेल में जब 20 सेकंड से भी कम समय बचा था, डियर डिस्ट्रिक्ट के इस चहेते बेटे ने अपनी टीम को चैम्पियन बनाकर उसका 50 साल का इंतजार खत्म किया और घेरलू प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया।यह एकतरफा मुकाबला नहीं था। अंतिम क्वार्टर तक मुकाबले के जाने से पहले दोनों टीमों के बीच जोरदार टक्कर हुई। बक्स ने चौथे क्वार्टर में 28-21 के स्कोर के साथ सन्स को दोयम साबित किया।

संदेश झिंगन एआईएफएफ पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुने गए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय टीम के डिफेंडर संदेश झिंगन को एआईएफएफ पुरुष फुटबॉलर ऑफ द ईयर 2020-21 और मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम को पुरुष इमर्जिंग फुटबॉलर ऑफ द ईयर 2020-21 का पुरस्कार मिला।

दोनों खिलाड़ियों को क्लब कोचों के वोटों के आधार पर यह अवॉर्ड दिया गया है। यह पहली बार है जब सेंट्रल डिफेंडर को प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिला है। झिंगन को इससे पहले 2014 में इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिल चुका है। झिंगन ने कहा, आईएसएल और आई लीग क्लब के कोचों के वोटों के आधार पर एआईएफएफ पुरुष फुटबॉलर ईयर चुना जाना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। इससे मुझे और बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी। मैं एआईएफएफ, अपने परिवार, टीम के साथी खिलाड़ी, सहायक स्टाफ और सभी कोचों का धन्यवाद देता हूं। झिंगन ने 2015 में सीनियर राष्ट्रीय टीम में डेब्यू किया था। वह कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों में टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने पांच बार सीनियर टीम की कमान भी संभाली है। झिंगन को 2020 में भारत सरकार से अर्जुन अवॉर्ड भी मिला था। इस बीच, 20 वर्षीय सुरेश जिन्होंने इस साल ओमान के खिलाफ मुकाबले से सीनियर टीम में डेब्यू किया था, वह पुरुष इमर्जिंग फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुने गए हैं। सरेश ने कहा, पुरुष इमर्जिंग फुटबॉलर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं। इससे मुझे भविष्य में सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा मिलेगी।

ब्रिस्बेन ने जीता 2032 ओलंपिक मेजबानी का अधिकार

टोक्यो। ऑस्ट्रेलिया के शहर ब्रिस्बेन ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के 138वें सीजन के दौरान 2032 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने का अधिकार प्राप्त किया है। ऑस्ट्रेलिया इससे पहले भी दो बार ओलंपिक की मेजबानी कर चुका है। उसने 1956 मेलबर्न और 2000 सिडनी ओलंपिक की मेजबानी की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 2017 में आईओसी ने 2024 ओलंपिक की मेजबानी पेरिस और 2028 ओलंपिक की मेजबानी लॉस एंजिल्स को सौंपी थी। फरवरी 2021 में आईओसी ने कहा था कि ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए उपयुक्त उम्मीदवार है। हालांकि, आईओसी द्वारा ब्रिस्बेन को पसंदीदा बताने के बावजूद कतर ने 2032 खेलों की मेजबानी करने की अपनी इच्छा दोहराई थी। गत 10 जून को, आईओसी के 15 मजबूत कार्यकारी बोर्ड ने ब्रिस्बेन को चुनाव के लिए एकल उम्मीदवार के रूप में मंजूरी दी थी।

हरारे वनडे : बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को हराकर 3-0 से किया क्लीन स्वीप

हरारे (एजेंसी)।

कप्तान तमीम इकबाल (112) रन की शतकीय पारी के दम पर बांग्लादेश ने यहां हरारे स्पोटर्स क्लब में खेले गए तीसरे वनडे मुकाबले में जिम्बाब्वे को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीत ली। जिम्बाब्वे ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रेगिस चकाब्वा के 91 गेंदों पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 84 रन के दम पर 49.3 ओवर में 298 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम ने तमीम के 97 गेंदों पर आठ चौकों और तीन छक्कों के सहारे 112 रनों के दम पर 48 ओवर में पांच विकेट पर 302 रन बनाकर मैच जीता। जिम्बाब्वे की तरफ से डोनाल्ड त्रिपानो और वेसेली माधिवेरे ने दो-दो विकेट और लूक जोंगवे ने एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की पारी में लिटन दास ने 32, शाकिब अल हसन ने 30 और मोहम्मद मिथुन ने 30 रन बनाए जबकि नुरुल हसन 45 और अफीफ हुसैन 26 रन बनाकर नाबाद रहे इससे पहले, जिम्बाब्वे की पारी में रयान बर्ल ने 59, सिकंदर राजा ने 57, डियोन मयेर्स ने 34 और कप्तान ब्रेंडन टेलर ने 28 रन बनाए।बांग्लादेश की ओर से मोहम्मद सैफुद्दीन और मुस्ताफिजुर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए जबकि महमुदूल्लाह ने दो और तस्किन अहमद तथा शाकिब को एक-एक विकेट मिला।

संक्षिप्त समाचार

नोवाक जोकोविच ओलंपिक में भाग लेने के लिए टोक्यो पहुंचे

टोक्यो । विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए बुधवार को यहां के हनेदा हवाई अड्डे पर पहुंचे। पिछले गुरुवार को जोकोविच ने ट्विटर पर पोस्ट किया था कि उन्होंने अपनी टिकट (जापान की) आरक्षित करा ली है और उन्हें टोक्यो खेलों में सर्बिया का प्रतिनिधित्व करने पर गर्व है। इस 34 साल के खिलाड़ी ने हाल में विंबलडन का खिताब जीतकर रोजर फेडरर और राफेल नडाल के 20 एकल ग्रैंडस्लैम खिताब के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। अब उनकी नजरें इस साल गोल्डन स्लैम पर टिकी हैं जिसमें एक सत्र के चारों ग्रैंडस्लैम और ओलंपिक एकल टेनिस स्वर्ण पदक शामिल होता है। रोजर फेडरर, राफेल नडाल, डोमिनिक थिएम और निक किर्गियोस जैसे शीर्ष पुरुष खिलाड़ी ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। जोकोविच का ओलंपिक में पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2008 में बीजिंग में कांस्य पदक जीतना था।

ओलंपिक में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगी ऑस्ट्रेलिया की मैरी हैना

टोक्यो। टोक्यो ओलंपिक खेलों में एक बार फिर साबित हुआ है कि उम्र से फर्क नहीं पड़ता खेल के लिए फिटनेस अहम है। अमेरिका की महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी कार्ली लॉयड 39 साल की उम्र में मैदान पर उतरने जा रही हैं। कार्ली के अलावा ब्राजील की मिडफिल्डर फोरमिगा की उम्र 43 साल है। चौथी बार ओलंपिक में भाग ले रही लॉयड ने कहा, '' मैं पिछले 17-18 साल से लगातार खेल रही हूं। यह मेरा जुनून है। मुझे भरोसा है कि जब मैं खेलों को अलविदा कहूंगी तब मेरे पति और मेरा परिवार उत्साहित होगा क्योंकि मुझे वास्तव में कई अन्य कामों के लिए समय मिलेगा। '' अमेरिका की बीच वॉलीबॉल खिलाड़ी जैक गिब्ब 45 साल की उम्र में चौथी बार ओलंपिक में भाग ले रही हैं। टोक्यो में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की घुड़सवार मैरी हैना होगी। हैना 66 साल की उम्र में अपने सातवें ओलंपिक में भाग लेंगी। वह ओलंपिक इतिहास में दूसरी सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी है। इससे पहले ब्रिटेन की घुड़सवार लोर्ना जॉनस्टोन ने 70 वर्ष की आयु में 1972 के खेलों में भाग लिया था। वहीं ओलंपिक में सबसे ज्यादा उम्र में पदक जीतने वाले खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड ऑस्कर स्वान के नाम है। स्वीडन के इस निशानेबाज ने साल 1920 ओलंपिक में 72 साल, 280 दिन की उम्र में रजत पदक जीता था। वह हालांकि ओलंपिक के सबसे उम्रदराज पदक विजेता नहीं है। यह पदक ब्रिटेन के कलाकार जॉन कोपले के नाम है। कोपले ने 73 साल की उम्र में 1948 में ' पेंटिंग एवं एनग्रेविंग' में रजत पदक जीता था। ओलंपिक में लगभग 40 वर्षों तक कला प्रतियोगिताओं में पदक दिये जाते थे। इसे हालांकि 1948 के बाद ओलंपिक से हटा दिया गया। ओलंपिक खेलों में पहली बार स्केटबोर्डिंग को शामिल किया गया है। इस खेल में दक्षिण अफ्रीका के डलास ओबेरहोलजेर 46 साल की उम्र में अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

समय पाबंदी के कारण मात्र 20 मिनट ही अभ्यास कर पाई भारतीय 10 मीटर एयर राइफल टीम

नई दिल्ली (एजेंसी)।

तोक्यो ओलंपिक शुरू होने से केवल दो दिन पहले भारत के 10 मीटर एयर राइफल के निशानेबाजों को विभिन्न टीमों के लिए तय किए गए समय के कारण असाका शूटिंग रेंज पर केवल 20 मिनट तक अभ्यास करने का मौका मिला। भारत के अन्य निशानेबाजों ने जहां दो घंटे से अधिक समय तक अभ्यास किया वहीं अपूर्वी चंदेला और इलावेनिल वलारिवान सहित राइफल निशानेबाजों को आधे घंटे से भी कम समय अभ्यास के लिए मिला। अपूर्वी और इलावेनिल को 24 जुलाई को प्रतियोगिता में भाग लेना है। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने बुधवार को कहा, 'सभी प्रतिभागी देशों के निशानेबाज एक ही स्थान पर अभ्यास कर रहे हैं और इसलिए प्रत्येक टीम के लिये समय निर्धारित किया गया है। इसलिए ऐसा हुआ। उनहोंने कहा, 'आज सुबह का अभ्यास सत्र दो से ढाई घंटे तक चला लेकिन 10 मीटर एयर राइफल टीम को 20-30 मिनट का ही समय मिला। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धाएं शनिवार को जबकि इस वर्ग में पुरुषों की स्पर्धाएं अगले दिन शुरू होंगी। पुरुषों की 10 मीटर राइफल स्पर्धा में दीपक कुमार और दिव्यांश सिंह पंवार भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

यह भी पता चला है कि जिन आठ भारतीय निशानेबाजों की पहले दो दिन स्पर्धाएं हैं वे शुक्रवार को खेलों के उदघाटन समारोह में भाग नहीं लेंगे। इनमें अपूर्वी और इलावेनिल के अलावा 10 मीटर एयर पिस्टल के निशानेबाज सौरभ चौधरी और अभिषेक वर्मा की पहले दिन स्पर्धाएं हैं। मनु भाकर, यशस्विनी सिंह देसवाल, दीपक और दिव्यांश दूसरे दिन निशाना साधेंगे।

फीडे विश्व कप शतरंज हमवतन अधिबन से रोमांचक मैच जीते विदित ,हरीकृष्णा ,प्रग्गानंधा समेत अंतिम 32 मे पहुंचे

सोच्ची , रूस (निकलेश जैन) विश्व कप शतरंज प्रतियोगिता हर पड़ाव मे रोमांचक परिणामों के बीच अब चौंथे दौर पर पहुँच चुकी है और कई दिग्गजों की प्रतियोगिता से छुट्टी हो चुकी है । भारत के लिए भी तीसरा राउंड कठिन रहा और तीन खिलाड़ी पेंटला हरीकृष्णा , विदित गुजराती और आर प्रग्गानंधा जीत दर्ज करते हुए चौंथे दौर मतलब शीर्ष 32 में जगह बनाने में कामयाब रहे जबकि हरिका द्रोणावल्ली ,निहाल सरीन और अधिबन भास्करन क्रमशः रूस की गुनिना वालेंटीना ,रूस के दिमित्री आन्द्रेकिन और भारत के विदित गुजराती से हारकर बाहर हो गए । पेंटाला हरीकृष्णा नें इस राउंड में रोमानिया के शीर्ष खिलाड़ी कोंस्टइंटिन लुपेलेस्क्यू को दो क्लासिकल मुकाबलों में 2-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया जहां उनका सामना ईरान के ताबतबाई अमीन से होगा । विदित गुजराती और अधिबन भास्करन का सामना आपस में हो होने से भारत को एक साथ का नुकसान होना तय था पर दोनों नें शानदार खेल दिखाते हुए अंत तक संघर्ष किया । पहला क्लासिकल मुक़ाबला विदित नें जीता तो दूसरा मुक़ाबला अधिबन और मैच 1-1 स्कोर से टाईब्रेक में चला गया जहां पर चार रैपिड के बाद भी स्कोर 3-3 रहा पर ब्लीट्ज़ मुकाबलों में पहला मैच ड्रॉ होने के बाद दूसरे मुक़ाबले में विदित नें अंतिम क्षणों में जीत की बदौलत 4.5-3.5 के स्कोर से अगले दौर में जगह बना ली । अब विदित का सामना यूएसए के जेफ्री जियांग से होगा । वही भारत के 16 वर्षीय प्रग्गानंधा नें पोलैंड के 56 वर्षीय अनुभवी ग्रांड मास्टर माइकल क्रासनेकोव को टाईब्रेक में 2.5-1.5 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली और अब उनकी टक्कर फ्रांस के दिग्गज मकसीम लागरेव से होगी । विश्व के अन्य शीर्ष खिलाड़ियों में जहां विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन आसानी से अगले दौर में पहुँच गए तो विश्व नंबर 2 फबियानों करूआना , विश्व नंबर 5 ममेद्यारोव और विश्व नंबर 7 अनीश गिरि की टूर्नामेंट से अप्रत्याशित विदाई हो गयी ।

तीरंदाजी, निशानेबाजी, कुश्ती सहित इन खेलों में भारत को मिल सकते हैं पदक

टोक्यो। भारत को टोक्यो ओलंपिक खेलों में निशाने बाजी से लेकर तीरंदाजी, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी , कुश्ती भालाफेंक ओर हॉकी में पदक की उम्मीद है। निशानेबाजी में भारत को पिछले कुछ समय के अंदर दुनिया भर में जीत मिली है, इस बार भी भारत के 15 निशानेबाज खेलों में दावेदारी पेश करेंगे। 19 वर्षीय निशानेबाज सौरभ चौधरी के अलावा अभिषेक वर्मा, मनु भाकर, दिव्यांश सिंह पंवार, एश्वर्य प्रताप सिंह और राही सरनोबत से पदक की अच्छी उम्मीदें हैं। भारोत्तोलन में मीराबाई चानू 48 किलोग्राम वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगी। मीराबाई ने अप्रैल में आयोजित एशियन चैंपियनशिप में 'क्लीन एंड जर्क' में विश्व रेकॉर्ड बनाया था वहीं महिला तीरंदाज दीपिका कुमारी से भी पदक की अच्छी उम्मीदें हैं। दीपिका अभी विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर हैं। दीपिका मिश्रित टीम इवेंट में अपने पति अतानु दास के साथ उतरेंगी। यह पहली बार है जब ओलिंपिक में भारत के 9 मुक्केबाज शिरकत करते हुए नजर आएंगे। अनुभवी महिला महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम के अलावा अमित पंघाल भी पदक दावेदारों में शामिल हैं। भालाफेंक में नीरज चोपड़ा से काफी उम्मीदें हैं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो का कौशल और तकनीक जबरदस्त है : पीवी सिंधु

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अनुभवी बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु जो आगामी टोक्यो ओलंपिक में भारत के पदक की उम्मीदों में से एक हैं, उन्होंने पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो की सराहना करते हुए कहा है कि रोनाल्डो का कौशल और तकनीक जबरदस्त है। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह विभिन्न खेलों में अपने पसंदीदा एथलीटों को खेलते हुए देखने के लिए समय निकालने की कोशिश करती हैं। उनमें से एक पुर्तगाली फुटबॉल के दिग्गज रोनाल्डो हैं, जिन्होंने हाल ही में यूरो 2020 में पांच गोल करके और एक गोल में सहयोग कर गोल्डन बूट जीता था। रोनाल्डो फुटबॉल के महानतम स्टारों में से एक हैं। हाल ही में उन्हें 29 गोल करने के लिए सेरी ए में कैपोकैनोनियरे पुरस्कार से नवाजा गया था। यह खिताब इतालवी घरेलू लीग में सर्वोच्च गोल करने वाले खिलाड़ी को दिया जाता था। 36 वर्षीय फुटबॉलर की उलब्धियों की प्रशंसा करने के लिए सिंधु के पास कोई शब्द नहीं हैं। उन्होंने टोक्यो के लिए उड़ान भरने से पहले ओलंपिक डॉट कॉम से कहा, मेरे पास उनकी प्रशंसा करने के लिए कोई शब्द नहीं हैं। जिस तरह से रोनाल्डो खेलते हैं, उनके पास जो कौशल और तकनीक है, वह जबरदस्त है। सिंधु भी फुरसत में टेनिस देखना पसंद करती हैं और कोशिश करती हैं कि अगर सेरेना विलियम्स और रोजर फेडरर खेल रहे हों, तो वो उन्हें देखने से नहीं चूकें। दोनों टेनिस दिग्गज एक दशक से अधिक समय से कोर्ट पर हावी हैं और सिंधु उनकी दृढ़ता और सच्चाई का अनुकरण करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, सेरेना का मानना है कि वह एक महिला और मां होने के बावजूद यह कर सकती है। उन्होंने असाधारण रूप से बहुत बेहतर प्रदर्शन किया है। वो एक मजबूत महिला हैं जबकि, फेडरर एक और दिग्गज हैं। उनकी उम्र में अब तक उस स्तर को बनाए रखना आसान नहीं है। वो वहां शीर्ष पर रहे हैं। सिंधु 25 जुलाई को मुसाशिनो फॉरेस्ट स्पोर्ट प्लाजा के कोर्ट 2 में इजरायल की पोलिकारपोवा केन्सिया के खिलाफ अपने ओलंपिक अभियान की शुरूआत करेंगी।

जीतने का तरीका भूली हमारी टीम : मुरलीधरन

कोलंबो। श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुथैया मुरलीधरन ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में टीम की हार पर निराशा जतायी है। मुरलीधरन के अनुसार ऐसा लगता है कि जैसे श्रीलंकाई टीम जीतना ही भूल गयी है। उन्होंने कहा कि देश में इस समय खेल बेहद कठिन समय से गुजर रहा है। श्रीलंका की टीम नए कप्तान दासुन शनाका की कप्तानी में 275 रनों को बनाने के बाद भी हार गयी जबकि एक समय मैच उसके कब्जे में आ गया था क्योंकि भारतीय टीम ने 193 रनों पर ही सात विकेट खो दिये थे। मुरलीधरन ने 'कहा, ''मैंने पहले भी आपसे कहा है, श्रीलंका की टीम जीतने का तरीका भूल गई है, पिछले इतने वर्षों में वे भूल गए हैं कि जीत कैसे दर्ज की जाती है। यह उनके लिए मुश्किल समय है क्योंकि उन्हें नहीं पता कि जीत कैसे हासिल की जाती है।'' लेग स्पिनर वानिंदु हसारंगा ने तीन विकेट लिए जिससे 35.1 ओवर में भारत का स्कोर सात विकेट पर 193 रन हो गया था पर कप्तान शनाका ने अंतिम ओवरों के गेंदबाजी के लिए अपने ओवर बचाकर बड़ी गलती की। मुरलीधरन ने कहा, ''मैंने आपसे पहले ही कहा था कि अगर श्रीलंका 10-15 ओवर में तीन विकेट ले लेता है तो भारत को संघर्ष करना पड़ेगा। दीपक चाहर और भुवनेश्वर कुमार ने हमारी टीम से जीत छीन ली। ।'' इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने कुछ गलतियां भी कीं। उन्हें वानिंदु हसारंगा के ओवर बचाकर नहीं रखने चाहिए थे और उनसे पहले ही गेंदबाजी करानी चाहिए थी। उसे गेंदबाजी कराके विकेट हासिल करने का प्रयास करना चाहिए था।'' इस पूर्व दिग्गज स्पिनर ने कहा, ''अगर वे भुवनेश्वर और चाहर में से एक विकेट हासिल कर लेते तो निचले क्रम के दो बल्लेबाजों के बचे होने से प्रति ओवर आठ से नौ रन बनाना मुश्किल होता। यह एक अनुभवहीन टीम है।''

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

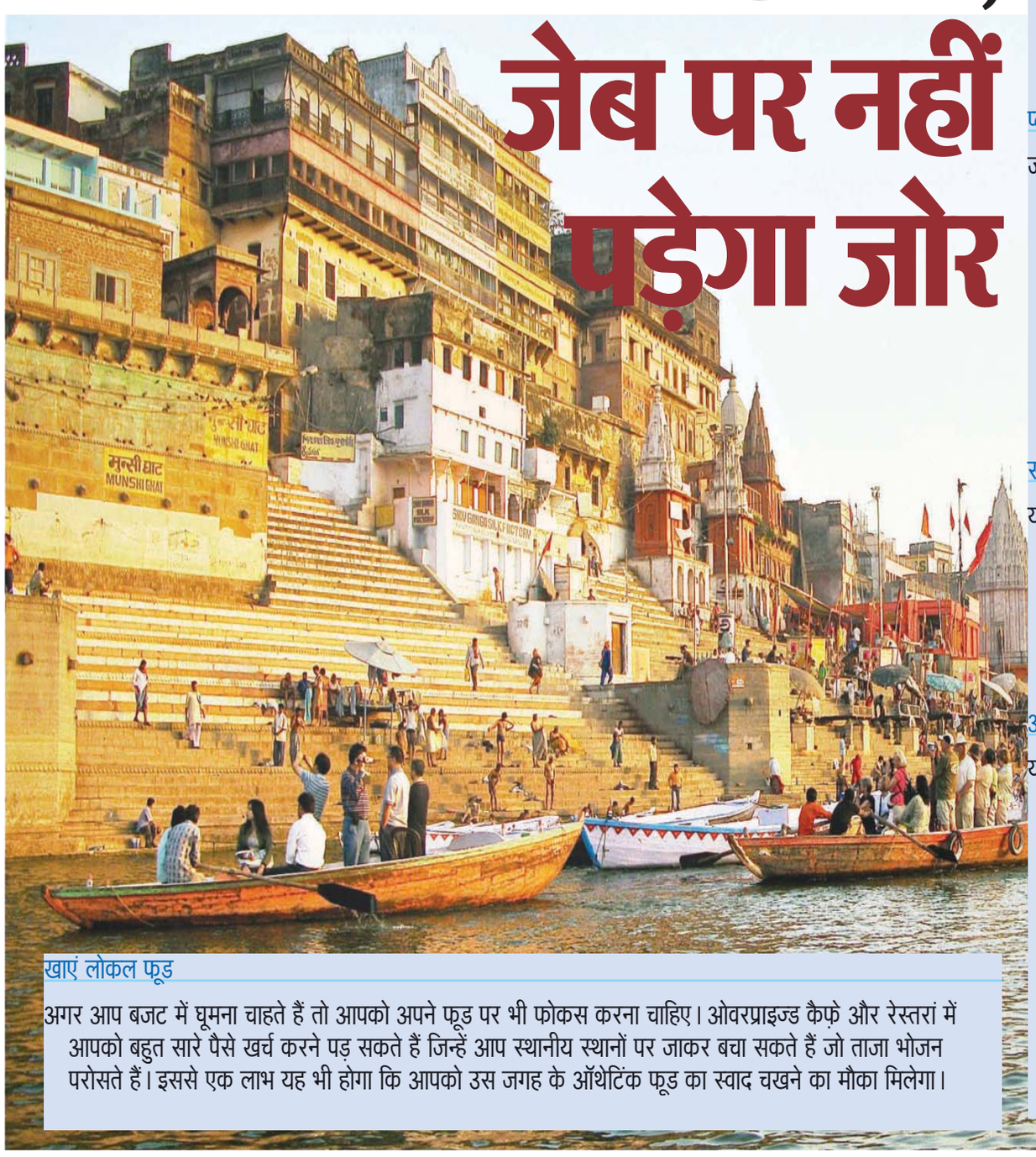

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिंक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

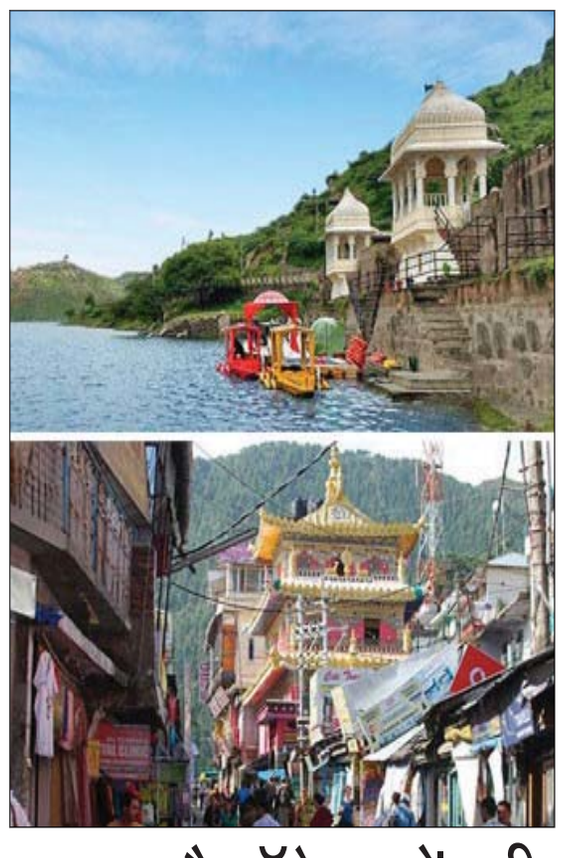

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

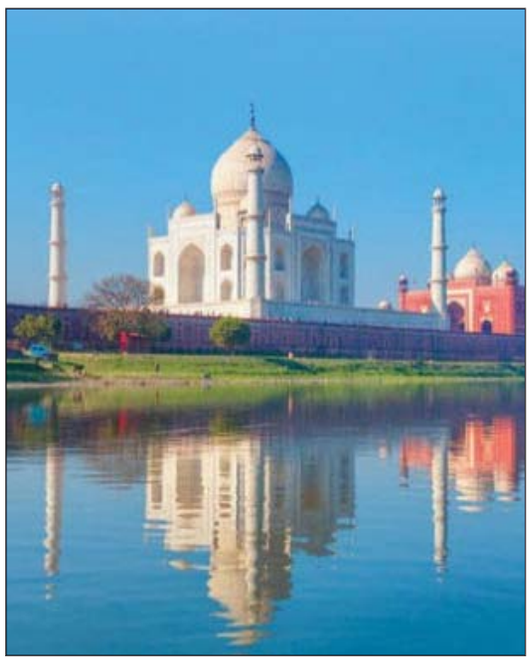

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

डेल्टा वेरिएंट के खौफ में ऑस्ट्रेलिया में लॉकडाउन की घोषणा, लोगों ने जताई नाराजगी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे बड़े शहर मेलबर्न में कोविड-19 'क्लस्टरों' की संख्या में वृद्धि के मद्देनजर बृहस्पतिवार रात से पांच दिन तक लॉकडाउन लागू रहेगा। विक्टोरिया के प्रीमियर डेनिएल एंड्रयूज ने बृहस्पतिवार को कहा कि महामारी के दौरान मेलबर्न में यह पांचवां लॉकडाउन होगा और पूरे विक्टोरिया राज्य में लागू होगा। अधिकारियों ने बुधवार को घोषणा की थी कि ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े शहर सिडनी में पांच सप्ताह के लिए लॉकडाउन किया जाएगा जिसके बाद यह खबर आई है। न्यू साउथ वेल्स राज्य में सिडनी और आसपास के क्षेत्रों में तीन सप्ताह का लॉकडाउन शुक्रवार को समाप्त होने वाला था लेकिन अब यह 30 जुलाई तक जारी रहेगा। बता दें कि इस लॉकडाउन के लागू होने की खबर के बाद से बहुत से लोगों ने निराशा व्यक्त की है।

पूर्व पाकिस्तानी राजनयिक की बेटी की घर में घुसकर हत्या, देश के प्रमुख व्यवसायी का बेटा अरेस्ट

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान के राजदूत की बेटी के अपहरण के बाद से पाकिस्तान की मुसीबतें कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। आपको बता दें कि अब पाकिस्तान के एक पूर्व राजनयिक की बेटी की मंगलवार को हत्या कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक यह घटना इस्लामाबाद के सेक्टर एफ-7/4 के अपस्केल स्थित एक घर में हुई है। मृतक की पहचान शौकत मुकादम की 27 वर्षीय बेटी नूर मुकादम के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गोली मारने के बाद राजनयिक की बेटी की हत्या की गई है। इस पूरे घटना में एक अन्य व्यक्ति भी घायल हो गया है। पुलिस ने आगे कहा कि, हत्या में लड़की के एक दोस्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया है कि, हत्यारा देश के एक प्रमुख बिजनेसमेन का बेटा है। पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' में छपी खबर के मुताबिक, शव बेहद ही बुरी स्थिति में मिली है जिससे यह पता लगया गया है कि मारने से पहले राजनयिक की बेटी को काफी बुरी तरह से टॉर्चर किया गया था।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति अब बदल रही है: इमरान

इस्लामाबाद। प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि बलिदान की भावना के बिना, एक राष्ट्र विकास हासिल करने की आकांक्षा नहीं कर सकता है। द नेशन ने बुधवार को बताया कि ईद के मौके पर एक संदेश में, प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के नागरिकों और मुस्लिम दुनिया को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था सही रास्ते में है और सरकार के कदमों के परिणामस्वरूप आर्थिक संकेतक सकारात्मक रुझान दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं के माध्यम से लोगों को राहत प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं है, जब पाकिस्तान विकसित देशों की श्रेणी में समान रूप से खड़ा होगा और पूरे देश को गर्व महसूस होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस पवित्र पर्व पर पशु की बलि देना यह दर्शाता है कि व्यक्ति को सर्वोच्च आदर्शों की प्राप्ति के लिए मानवीय इच्छाओं का त्याग करना पड़ता है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि इस तरह के जुनून ने इंसानों में एक ऐसा गुण पैदा किया जो उन्हें सही रास्ते से हटने नहीं देता। खान ने कहा कि यह जुनून था जिसने ज्ञान, राष्ट्रीय रणनीति और धैर्य के साथ राष्ट्र को वैश्विक कोरोनावायरस महामारी से खुद को बचाने में मदद की।

ट्रंप के सहयोगी थॉमस बैरक पर विदेशी एजेंट के तौर पर काम करने का लगा आरोप

वॉशिंगटन। अरबपति और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लंबे समय के सहयोगी थॉमस जे बैरक को लॉस एंजिल्स में एक विदेशी सरकार के एजेंट के रूप में कथित रूप से कार्य करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 74 वर्षीय निवेश फर्म के संस्थापक ने ट्रम्प के 2016 के अभियान के प्रमुख सलाहकार के रूप में कार्य किया, और उन्हें एक शीर्ष धन जमा करने वाला शख्स माना जाता था। बीबीसी ने बुधवार को बताया कि बैरक पर अभियान के दौरान और बाद में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की ओर से अवैध रूप से पैरवी करने का आरोप लगाया गया है। वह संघीय आरोपों का सामना करने वाले नवीनतम पूर्व ट्रम्प काल के अधिकारी हैं। बैरक पर 2019 के एक साक्षात्कार के दौरान साजिश, न्याय में बाधा डालने और एफबीआई को कई झूठे बयान देने का आरोप है। सात पन्नों के अभियोग के अनुसार, बैरक के लिए काम करने वाले 27 वर्षीय मैथ्यू ग्रिम्स और 43 वर्षीय यूएई नागरिक राशिद सुल्तान राशिद अल मलिक अलशाही पर भी आरोप लगाया गया है। कार्यवाहक सहायक अटॉर्नी जनरल मार्क लेस्को ने कहा कि अभियोग में कथित आचरण खुद ट्रम्प सहित अमेरिकी अधिकारियों के विश्वासघात से कम नहीं था। तीनों लोगों पर ट्रंप के अधिकारियों को प्रभावित करके और मीडिया में दिखावे के जरिए यूएई सरकार के हितों को आगे बढ़ाने की कोशिश करने का आरोप है। मई 2016 में, बैरक पर आरोप है कि उन्होंने ट्रम्प के प्रचार भाषण में यूएई की प्रशंसा करते हुए भाषण किया। भाषण का एक उन्नत मसौदा कथित तौर पर संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों को पास करने के लिए अलशाही को भेजा गया था। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रतिवादियों पर यह भी आरोप है कि उन्हें यूएई के वरिष्ठ अधिकारियों से मीडिया में उपस्थिति के लिए बातचीत के बिंदु प्राप्त हुए। चार्जिंग दस्तावेज में कहा गया है कि एक उपस्थिति के बाद जिसमें बैरक ने यूएई की बार-बार प्रशंसा की, बैरक ने यूएई का जिक्र करते हुए अलशाही को ईमेल किया कि मैंने इसे घरेलू टीम के लिए भुना दिया है ।

स्पाईवेयर के संभावित निशानों की लिस्ट में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों का नाम भी शामिल

बोस्टन। (एजेंसी)।

'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों का नाम भी उन 14 वर्तमान या पूर्व राष्ट्राध्यक्षों की सूची में शामिल है, जिन्हें कुख्यात इजराइली 'स्पाइवेयर' कम्पनी 'एनएसओ ग्रुप' के ग्राहकों द्वारा हैकिंग के लिए शायद लक्षित किया गया हो। 'स्पाईवेयर' एक सॉफ्टवेयर है, जो किसी के कम्प्यूटर में प्रवेश करके उसके बारे में सूचना जुटाता है और उसे चोरी-छिपे किसी तीसरे पक्ष को भेजता है। 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने मंगलवार को एक बयान में कहा, '' एक ऐसा खुलासा.... जिससे कई विश्व नेताओं को चिंता हो सकती है।''

पेरिस अभियोजक के कार्यालय ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि उसने गोपनीयता के उल्लंघन, डेटा के अवैध उपयोग और अवैध रूप से 'स्पाइवेयर' बेचने सहित संभावित आरोपों की जांच शुरू कर दी है। फ्रांसीसी कानून के तहत, जांच में संदिग्ध अपराधी का नाम दर्ज नहीं है, लेकिन इसका उद्देश्य यह निर्धारित करना है कि अंततः किस पर मुकदमा चलाया जा सकता है। दो पत्रकारों और फ्रांसीसी वेबसाइट 'मीडियापार्ट' की शिकायत के बाद जांच शुरू की गई है। कथित पीड़ितों द्वारा 'एनएसओ' समूह के खिलाफ कई मुकदमे दायर किए गए हैं। इसमें फेसबुक भी शामिल है, जिसने इज़राइल की कम्पनी पर उसकी सहायक व्हाट्सऐप को हैक करने का आरोप लगाया गया है। 'द वाशिंगटन पोस्ट' की खबर के अनुसार,'एमनेस्टी' और पेरिस स्थित गैर-लाभकारी पत्रकारिता संस्था 'फॉरबिडन स्टोरीज' को लीक किए गए 50,000 फोन नंबरों की सूची में, पाए जाने वाले संभावित लक्षित लोगों के नाम में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान, दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा और इराक के राष्ट्रपति बरहम सालिह शामिल हैं।

तीन वर्तमान प्रधानमंत्री और मोरक्को के राजा, मोहम्मद भी इस सूची में शामिल हैं। खबर के अनुसार, कोई भी राष्ट्राध्यक्ष अपने स्मार्टफोन को फोरेंसिक परीक्षण के लिए पेश नहीं करेगा, जिससे यह पता चल सके कि वह 'एनएसओ' के सैन्य-ग्रेड 'पेगासस स्पाइवेयर' की चपेट में आया या नहीं। जांच में 37 फोन में या तो स्पाईवेयर पाया गया या उसमें सेंध करने की कोशिश के सबूत मिले हैं। एक वैश्विक मीडिया संघ के 16 अन्य सदस्यों को लीक हुई सूची दी गई है। फ्रांसीसी दैनिक समाचार पत्र 'ले मोंडे' ने कहा कि 2019 में मैक्रों के अलावा फ्रांस सरकार के 15 सदस्य संभावित लक्ष्यों में से एक हो सकते हैं। 'एमनेस्टी' ने रविवार को मामले से जुड़ा एक 'फोरेंसिक विश्लेषण'

जारी किया था, जिसमें 'अमेजन वेब सर्विसेज' के एनएसओ को सेवाएं देने की बात सामने आई थी। इसके जवाब में, अमेजन ने कहा कि उसने एनएसओ के उन अकाउंट को बंद कर दिया, जिनके '' हैकिंग गतिविधि का समर्थन करने की पुष्टि'' हुई थी। अमेरिकी कम्पनी 'डिजिटल ओशन' के भी एनएसओ को अपनी सेवाएं देने की बात सामने आई। 'एपी' के कम्पनी से सम्पर्क करने पर उसने इस बात को ना स्वीकार किया और ना इससे इनकार। उसने एक ईमेल में कहा, '' एमनेस्टी की रिपोर्ट में जिन सेवाओं का जिक्र है उसका 'डिजिटल मोशन' से अब कोई नाता नहीं है।

चीन ने दुनिया की सबसे तेज ट्रेन का किया अनावरण, जानिए क्या है इस ट्रेन की खासियत?

चीन ने दुनिया की सबसे तेज मैग्लेव ट्रेन का अनावरण करते हुए एक और मील का पत्थर हासिल कर लिया है। इसकी जानकारी चीनी राज्य मीडिया ने दी है। टीओआई में छपी एक खबर के मुताबिक, यह ट्रेन 600 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड में चलती है। बता दें कि ट्रेन को चीन द्वारा देश के पूर्वी प्रांत शेडोंग प्रांत के तटीय शहर किंगदाओ में दुनिया के सबसे तेज जमीनी वाहन करार दिया है। बीजिंग से शंघाई तक 600 किलोमीटर प्रति घंटे की यात्रा केवल 2.5 घंटे में ट्रेन द्वारा कवर की जाएगी। जानकारी के लिए बता दें कि इस यात्रा में विमान से 3 घंटे और चीन में मौजूदा हाई-स्पीड रेन इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा 5.5 घंटे लगेंगे। उदाहरण के लिए समझें तो, इस स्पीड से, दिल्ली और मुंबई के बीच 1,460 किलोमीटर की दूरी को 3 घंटे के भीतर कवर किया जाएगा।

क्या है इस ट्रेन की खासियत?

आपको बता दें कि चीन की मैग्लेव ट्रेनें मेगनेट द्वारा चलती हैं, जो ट्रेन को ट्रैक से थोड़ा ऊपर रखने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। ये सामान्य ट्रेनों की तुलना में अधिक कुशल होती हैं क्योंकि ये ब्रेक लगाने या तेज करने के लिए घर्षण पर बिल्कुल निर्भर नहीं होती हैं। ये ट्रेनें काफी मंहगी होती हैं और जापान, फ्रांस, स्पेन, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे कुछ ही देशों में ही ये परिवहन संचालन किया जा रहा हैं। चीन लगभग दो दशकों से टेक्नॉलिजी का इस्तेमाल कर रहा है।इस समय मेगासिटी शंघाई में एक छोटी मैग्लेव लाइन है जो हवाई अड्डे से शहर तक चल रही है। वर्तमान में चीन में कोई इंटरसिटी मैग्लेव लाइनें नहीं हैं, लेकिन शंघाई और चेंगदू जैसे कुछ शहरों ने रिसर्च करना शुरू कर दिया है।

अमेजन फाउंडर जेफ बेजोस की पहली अंतरिक्ष यात्रा सफल, देखें कैसा रहा सफर

वैन हॉर्न (अमेरिका)। (एजेंसी)।

जेफ बेजोस अपनी रॉकेट कंपनी की पहली यात्री उड़ान में सहयात्रियों के साथ मंगलवार को अंतरिक्ष में पहुंचे। एक हफ्ते से कुछ ही ज्यादा समय के अंदर अपने यान से अंतरिक्ष में पहुंचने वाले वह दूसरे अरबपति बन गए हैं। अमेजन कंपनी के संस्थापक के साथ इस उड़ान में चुनिंदा लोग मौजूद रहे जिनमें उनके भाई, नीदरलैंड्स का रहने वाला 18 वर्षीय एक युवक और टेक्सास में रहने वाली 82 वर्षीय पायलट शामिल हैं। इस सफर में ग्रह से बाहर जाने वाले सबसे युवा और सबसे बुजुर्ग उनके साथी बने।

अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री के नाम पर बना ब्ल्यू ओरिजिन का न्यू शेपर्ड रॉकेट सुदूरवर्ती पश्चिमी टेक्सॉस से रवाना हुआ। रॉकेट ने अपोलो 11 के चांद पर उतरने की 52वीं वर्षगांठ पर यात्रियों के साथ अपना पहला सफर किया। बेजोस ने इस तारीख के ऐतिहासिक महत्व की वजह से इसे

चुना था। बेजोस हालांकि अंतरिक्ष पर्यटन की दिशा में शुरुआती शख्स बनने से नौ दिन से चूक गए जब रिचर्ड ब्रैनसन के वर्जिन गैलेक्टिक ने 11 जुलाई को अंतरिक्ष में पहुंचकर बाजी मार ली थी। रॉकेट पूरी तरह स्वचालित है और ऐसे में उड़ान भरने और नीचे आने के लिये उसके अंदर प्रशिक्षित कर्मियों के होने की कोई आवश्यकता नहीं है। इस उड़ान में कुल 10 मिनट का समय लगने की उम्मीद है। ब्रैनसन के वर्जिन गैलेक्टिक रॉकेट विमान के संचालन के लिये दो पायलटों की आवश्यकता होती है।

बेजोस करीब 66 मील (106 किलोमीटर) की ऊंचाई तक पहुंचने का लक्ष्य कर रहे हैं जो 11 जुलाई को रिचर्ड ब्रैनसन की उड़ान द्वारा तय ऊंचाई से 10 मील (16 किलोमीटर) ज्यादा है। करीब 60 फीट (18 मीटर) के रॉकेट ने कैप्सूल को पर्याप्त ऊंचाई तक पहुंचाने के लिये आवाज की गति से तीन गुना ज्यादा रफ्तार दी और इसके बाद वह लंबवत लैंडिंग के लिये अलग हो हुआ। इस कैप्सूल में पर्याप्त जगह है और यात्रियों को इसमें तीन से चार मिनट तक भारहीनता का लुत्फ उठाने को मिलेगा। बेजोस के साथ इस सफर में उनके साथ वैली फंक भी हैं। वह उन 13 महिला पायलटों में शामिल हैं जिन्होंने 1960 के दशक में नासा के पूर्ण पुरुष अंतरिक्षयात्री कोर में नासा के वह सभी परीक्षण प्राप्त किये थे जो उनके पुरुष साथियों ने लेकिन उन्हें कभी अंतरिक्ष में जाने का मौका नहीं मिला। इसके अलावा कंपनी के पहले भुगतान कर सीट हासिल करने वाले युवा ओलिवर डेमन भी इस उड़ान पर थे। ब्ल्यू ओरिजिन के सीईओ बॉब स्मिथ ने कहा कि इस साल के अंत तक दो और यात्री उड़ानों का लक्ष्य है।

बाइडेन प्रशासन भारत के साथ द्विपक्षीय साझेदारी का विस्तार जारी रखेगा, चीन है बड़ा कारण!

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी कांग्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन भारत के साथ द्विपक्षीय साझेदारी का विस्तार जारी रख सकता है और इन संबंधों के प्रगाढ़ होने के पीछे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आर्थिक और सैन्य शक्ति को लेकर चिंता एक प्रमुख कारक है। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस (सीआरएस) द्वारा भारत-अमेरिका संबंधों पर जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, ''कई लोगों का अनुमान है कि प्रशासन भारत में मानवाधिकारों समेत घरेलू घटनाक्रमों पर अधिक ध्यान देगा, लेकिन चीन के मुकाबले संतुलन की अत्यधिक जरूरत के कारण व्यापक नीतियों में बदलाव की संभावना नहीं है।''

अमेरिकी सांसदों के लिए परंपरागत रूप से तैयार की जाने वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है, ''स्वतंत्र पर्यवेक्षकों का व्यापक रूप से मानना है कि बाइडन प्रशासन (भारत के साथ) द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार करता रह सकता है और अधिकतर लोग चीन की बढ़ती

अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति के बारे में चिंता को इन संबंधों को मजबूती प्रदान करने के कारकों में गिनते हैं।'' स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा तैयार सीआरएस रिपोर्ट को अमेरिकी कांग्रेस की आधिकारिक रिपोर्ट नहीं माना जाता। अमेरिकी कांग्रेस ऐसी अनेक रिपोर्ट सार्वजनिक करती रही है। रिपोर्ट को एलन क्रोन्स्टैट के नेतृत्व में दक्षिण एशिया के अनेक विशेषज्ञों ने तैयार किया है। इसमें कहा गया है, ''अनेक विश्लेषक विशेष रूप क्वाड की पहल के प्रति भारत की हाल में सामने आई गर्मजोशी को देखते हुए अमेरिका द्वारा बहुपक्षीय मंचों पर भारत के साथ सहयोग का रुख किये जाने की संभावना जता रहे हैं और वे यह देखने को उत्सुक हैं कि बाइडन प्रशासन अपनी विदेश नीति में हिंद-प्रशांत क्षेत्र को प्राथमिकता देने के लिए किस सीमा तक प्रतिबद्धता व्यक्त करेगा।'' अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने 2017 में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक व्यवहार का मुकाबला करने के लिए चतुष्कोणीय गठजोड़ या 'क्वाड' के गठन के लंबित प्रस्ताव को आकार दिया था। राष्ट्रपति जो बाइडन ने मार्च महीने में क्वाड के पहले शिखर-सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत इस समूह के नेताओं के साथ डिजिटल वार्ता की थी। इसमें बाइडन ने कहा था कि सभी के लिए एक खुला और स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र आवश्यक है तथा क्षेत्र में स्थिरता पाने के लिए अमेरिका अपने साझेदारों और सहयोगियों के साथ काम करते रहने के लिए प्रतिबद्ध है। चीन, दक्षिण चीन सागर और पूर्व चीन सागर में क्षेत्रीय विवाद में संलिप्त है। वह पूरे दक्षिण चीन सागर पर संप्रभुता का दावा करता है। हालांकि वियतनाम, मलेशिया, फिलीपीन, ब्रूनेई और ताइवान इसके विपरीत दावा करते हैं।

ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट में बदलाव की तैयारी में ब्रिटेन, लीक डॉक्युमेंट के जरिये स्टोरी करने वाले पत्रकारों को हो सकती है 14 साल की जेल

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के 42 साल के स्वास्थ्य मंत्री मैक हैंकॉक अपनी सहकर्मी को आफिस में किस करते हुए कैमरे में कैद हो गए। इसका वीडियो तेजी से वायरल होने लगा। ये घटना लंदन में स्वास्थ्य विभाग मुख्लाय में उनके कार्यलय के बाहर की है। सीसीटीवी फुटेज से वीडियो वायरल होने के बाद ब्रिटेन में बवाल मचा और हैंकॉक को अपने पद से इस्तीफा तक देना पड़ा। लेकिन अब ब्रिटेन में नया कानून आया है जिसके बाद लीक हुए फुटेज का इस्तेमाल करने वाले पत्रकार पर कार्रवाई हो सकती है।

ऐसे दौर में जब भारत समेत अन्य देशों में पेगासस स्पाईवेयर के जासूसी कांड को लेकर हंगामा मचा है उसी दौर में ब्रिटेन अपने कानूनों में बदलाव की तैयारी में लगा है। ब्रिटेन में ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट में बदलाव की तैयारी की जा रही है। इसके अंतर्गत लीक डॉक्युमेंट के जरिये स्टोरीज करने वाले पत्रकारों को 14 साल की जेल भी हो सकती है। इतना ही नहीं उनके साथ विदेशी जासूस जैसा बर्ताव भी किया जाएगा। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार विदेशी जासूसों पर नकेल कसने के लिए बनाए गए नए कानून के तहत दोषी

पाए गए ऐसे पत्रकार जो लीक डॉक्युमेंट्स को हैंडल करते हैं, वे अपना बचाव भी नहीं कर पाएंगे।

कानून में बदलाव के पीछे सरकार की दलील

इंटरनेट के असर और खासकर क्रिक डेटा ट्रांसफर टेक्नीक के इस दौर को ध्यान में रखते हुए 1989 में बनाए गए इस कानून में जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं। वहीं सरकार ने कानून में बदलाव के पीछे ये दलील दी है कि जिस वक्त कानून ड्राफ्ट किए गए थे उस दौर में संचार के साधन बेहद ही सीमित थे। जबकि वर्तमान दौर में किसी भी प्रकार के डेटा के माध्यम से क्षण भर में किसी भी देश की सुरक्षा और संप्रभुता को चुनौती दी जा सकती है। ऐसे में इनमें संशोधन जरूरी है।

चीन में बारिश की तबाही से मचा कोहराम, राहत कार्यों के लिए सेना हुई तैनात

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन के मध्य हेनान प्रांत में 1,000 वर्षों में सबसे भारी बारिश के मद्देनजर राष्ट्रपति शी चिनफिंग को बुधवार को 'सबवे', होटलों तथा सार्वजनिक स्थानों पर फंसे लोगों को निकालने के लिए सेना को तैनात करना पड़ा। बारिश और बाढ़ संबंधी घटनाओं में कम से कम 13 लोगों की मौत हुई है और एक लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। भारी बारिश के कारण उत्पन्न हुई स्थिति से 1.26 करोड़ की आबादी वाली प्रांतीय राजधानी झेंगझोऊ में सार्वजनिक स्थानों और 'सबवे टनल' में पानी भर गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश का ऐसा कहर दुर्लभ ही देखने को मिलता है।

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार, शी ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तैनाती का आदेश दिया और कहा कि सभी स्तर के अधिकारी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें क्योंकि झेंगझोऊ शहर में बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है। खबर के अनुसार, 'पीपुल्स लिबरेशन आर्मी सेंट्रल थिएटर कमान' ने प्रभावित हेनान प्रांत के लिए तत्काल सैनिकों को भेज दिया है, जहां एक बांध के भारी बारिश के कारण क्षतिग्रस्त होने से कभी भी गिरने की आशंका है। पीएलए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'वायबो' पर अपने आधिकारिक अकाउंट पर कहा कि हेनान प्रांत के यिचुआन प्रांत में बांध में 20 मीटर लंबी दरार दिखाई दी है और वह कभी भी गिर सकता है। सोशल मीडिया पर साझा की गई वीडियो में 'सबवे' में फंसे यात्री डरे हुए दिख रहे हैं, क्योंकि पानी उनकी गरदन तक पहुंच गया है। उन्हें वहां से निकाला गया या नहीं इसका पता नहीं चल पाया है।

आधिकारिक मीडिया की ओर से भी कुछ वीडियो साझा किए गए जिसमें बचाव दल 'सबवे' में फंसे लोगों की मदद करते दिख रहे हैं। कई गाड़ियों के बह जाने और लोगों के बारिश के कारण सड़क पर बने गड्ढों में डूबने के भी वीडियो सामने आए हैं। बारिश का पानी शहर की 'लाइन फाइव' की सबवे सुरंग में चला गया, जिससे एक ट्रेन में कई यात्री फंस गए। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की एक खबर के अनुसार, हेनान के प्रांतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि प्रांतीय राजधानी झेंगझोऊ में मंगलवार को 24 घंटे में औसतन 457.5 मिमी बारिश हुई। मौसम संबंधी रिकॉर्ड रखे जाने के बाद से यह एक दिन में अब तक हुई सर्वाधिक वर्षा है। हांगकांग के 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने अपनी एक खबर में बताया कि बाढ़ संबंधी हादसों में 13 लोगों की मौत हो गई है और एक लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। खबर के अनुसार, कई जगह पानी भर जाने के कारण शहर में यातायात ठप पड़ गया। 80 से अधिक बसों की सेवाएं निलंबित करनी पड़ी, 100 से अधिक के मार्ग बदले गए और 'सबवे' सेवांए भी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं।

खबर में बताया गया कि पुलिस अधिकारी, दमकल कर्मी और अन्य स्थानीय उप जिला कर्मी मौके पर बचाव कार्य में जुटे हैं। 'सबवे' में पानी कम हो रहा है और यात्री फिलहाल सुरक्षित हैं। झेंग्झोऊदोंग रेलवे स्टेशन पर 160 से अधिक ट्रेनें रोकी गईं। झेंगझोऊ के हवाईअड्डे पर आने-जाने वाली 260 उड़ानें रद्द की गई हैं। वहीं, स्थानीय

रेलवे अधिकरियों ने भी कुछ ट्रेनों को रोक दिया है या उनके समय में परिवर्तन किया है। आंधी तूफान से प्रभावित शहर में कुछ स्थानों पर बिजली और पेयजल सेवाएं भी बंद हैं। हेनान प्रांतीय और झेंगझोऊ नगरपालिका मौसम विज्ञान ब्यूरो ने मौसम संबंधी आपदाओं के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया का स्तर बढ़ाकर एक कर दिया है। हेनान में बुधवार रात तक भारी बारिश होती रहने का अनुमान है। 'पोस्ट' की खबर के अनुसार, मौसम वैज्ञानिकों ने कहा कि 1000 वर्षों में ऐसी भीषण बारिश हुई है। इसके कारण अस्पतालों में भी बिजली नहीं है। 'शिन्हुआ' ने राष्ट्रपति शी के हवाले से कहा कि बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति से निपटने में परेशानी आ रही है। झेंगझोऊ और अन्य शहरों में भारी मात्रा में पानी भर गया है। कुछ स्थानों पर पानी खतरे के निशान से ऊपर है और कुछ बांध भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं। कुछ स्थानों पर रेल सेवाएं बंद की गई हैं और कुछ उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चोरी मामले में दो आरोपियों की थाने में हिरासत में मौत: हत्या&आत्महत्या ?

चीखली पुलिस थाने में दो संदिग्ध आरोपियों की मौत, एक कमरे में लगाई दोनों ने फांसी

क्रांति समय दैनिक

नवसारी के *चिखली* पुलिस थाने में चोरी के आरोप में पकड़े गए संदिग्ध आरोपियों की मौत हो गई। दोनों आरोपियों को हवालात में रखने के बजाए एक कमरे में रखा गया था, जहां दोनों फांसी लगा ली। इस घटना को लेकर पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठने लगे हैं कि आखिर उन्हें हवालात के बजाए अलग कमरे में क्यों रखा गया था? जानकारी के मुताबिक चोरी के आरोप में डांग जिलेके वघई तहसील से दो संदिग्ध शख्सों को नवसारी जिले के चीखली पुलिस थाने लाया गया था। दोनों शख्सों को हवालात के बजाए एक अलग कमरे में रखा गया था। जहां दोनों फांसी लगाकर जान दे दी।

गौर करने वाली बात यह है कि पुलिस थाने के प्रत्येक रूम में सीसीटीवी कैमरे लगे हों और जहां 24 घंटे पुलिस मौजूद हो वहां कोई आरोपी कैसे आत्महत्या कर सकता है? संदिग्ध आरोपियों की मौत के बाद सवाल उठ रहे हैं कि आरोपियों ने फांसी लगाकर जान दी है या पुलिस की पिटाई से दोनों की मौत हुई है? फिलहाल घटना के बाद नवसारी जिला पुलिस अधिक्षक, पुलिस उपाधीक्षक और डिप्टी कलेक्टर समेत अधिकारी चीखली पुलिस थाने पहुंच गए हैं। जिस कमरे में आरोपियों ने आत्महत्या की है, उस कमरे में मीडिया को यह कहते हुए प्रवेश नहीं दिया कि पुलिस कार्रवाई चल रही है।

दो कुख्यात चेन स्नैचर धरे गए, लूट का ४ लाख का माल भी बरामद

क्रांति समय दैनिक

सूरत,शहर में पिछले काफी समय से चेन स्नैचिंग की घटनाओं से परेशान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। चेन स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाले दो कुख्यात झपट्टामारों को सूरत क्राइम ब्रांच ने दबोच लिया है। पकड़े गए स्नैचरों से पुलिस ने लूट की 8 चेन और 2 मोटर साइकिल समेत रु 4.14 लाख माल भी जब्त किया है। जानकारी के मुताबिक सूरत क्राइम ब्रांच ने पूर्व सूचना के आधार पर शहर के अमरोली क्षेत्र के बापा सीताराम चौक से धवल दिनेश पारेख और शिरिष उर्फ सोनु प्रमोदचंद्र राणा को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही सोने की 8 चेइन, दो मोटर साइकिल समेत कुल रु 413114 का माल-सामान भी जब्त कर लिया। पुलिस के मुताबिक कुख्यात आरोपियों में से धवल पारेख नामक शख्स स्नैचिंग, लूट समेत कई मामलों में राजकोट की जेल में सजा काटने के बाद 2013 में रिहा हुआ था। जिसके बाद 2015 में गिरफ्तार किया गया और 4 महीने बाद जेल रिहा हुआ। जेल से छूटने के बाद धवल पारेख ने फिर चेन स्नैचिंग, वाहन चोरी, लूट जैसी घटनाओं को अंजाम देना शुरू कर दिया। आरोपी धवल चोरी की मोटर साइकिल पर राह चलती महिलाओं को टार्गेट करता और उनके गले सोने के आभूषण उड़ाकर फरार हो जाता। इतना ही नहीं पता पूछने के बहाने सोसायटी में रहनेवाली महिलाओं के गले से चेन खींचकर फरार हो जाता। धवल के खिलाफ सूरत के महिधरपुरा, कतारगाम, अडाजण, रांदेर, कापोद्रा समेत कई पुलिस थानों में चेन स्चैनिंग के 4, मोबाइल चोरी के 4, वाहन चोरी के 4 और एक लूट समेत कुल 13 मामले दर्ज हैं। जबकि दूसरा आरोपी शिरिष के खिलाफ भी अठवा पुलिस थाने में वाहन चोरी के दो मामले दर्ज हैं और 2007 में वह वडोदरा की जेल में सजा काट कर बाहर आया है।

ध्रोल से 36 किलो गांजा के साथ चार शख्स गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक

जामनगर,एसओजी ने ध्रोल पुलिस के साथ मिलकर 4 शख्सों को 36.900 किलोग्राम गांजा का साथ गिरफ्तार कर लिया। साथ ही एक ट्रक, अल्टो कार समेत कुल 23.80 लाख का माल जब्त कर पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरूकी है। जानकारी के मुताबिक जामनगर एसओजी को गांजा तस्करी के बारे में सूचना मिली थी। जिसके आधार पर एसओजी ने ध्रोल पुलिस के साथ मिलकर ध्रोल के वांकिया

के निकट से 4 शख्सों को रु 369000 कीमत के 36.900 गांजा के साथ दबोच लिया। साथ ही एक ट्रक, अल्टो कार और एक लाख नकद समेत कुल 2387981 लाख रुपए का माल-सामान जब्त कर आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत ध्रोल पुलिस थाने में मामला दर्ज किया। पकड़े गए आरोपियों में 38 वर्षीय अनिरुद्धसिंह उमेदसिंह जाडेजा ट्रक ड्राइवर है और 41 वर्षीय जेकब क्रिश्चयन क्लीनर है। तीसरा आरोपी 27 वर्षीय शाहरुख उर्फ भूरो सफी हासमणी प्राइवेट नौकरी करता है। जबकि जावेद कासम जाम रिक्शा ड्राइवर है। इस मामले में उड़ीसा का एक शख्स फरार हो गया है, जिसकी पुलिस ने तलाश शुरूकी है।

सार-समाचार

नाबालिग लड़की को लेकर भागे युवक को लोगों ने पकड़ कर किया मुंडन

अरवल्ली,अरवल्ली में एक नाबालिग लड़की को युवक बदनीयत से भगा ले गया था। हांलाकि लोगों ने युवक को दबोच लिया और उसकी पहले धुनाई की और बाद में उसका सिर मुड दिया। इस संदर्भ में फिलहाल कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक अरवल्ली जिले में एक युवक नाबालिग लड़की को पर्वतीय क्षेत्र में ले गया था। युवक की मंशा क्या थी यह वही जाने। लेकिन युवक कुछ करे इससे पहले मालपुर मेवाड गांव के कुछ लोगों ने युवक को पकड़ लिया और उसकी अच्छे से खातिरदारी करने के बाद उसका सिर मुड दिया। घटना का वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कुछ लोग कहते सुनाई दे रहे हैं कि युवक नाबालिग लड़की को दुष्कर्म करने के इरादे से पर्वतीय क्षेत्र में ले गया था। युवक की खातिरदारी करने के बाद लोगों ने उससे एक पेपर पर हस्ताक्षर भी करवाए हैं। हांलाकि इस घटना को लेकर पुलिस थाने में अब तक कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है।

रखरखाव के लिए घोघा-हजीरा रो पेक्स सर्विस 15 दिन रहेगी बंद

भावनगर,भावनगर के घोघा से सूरत के हजीरा के बीच जलमार्ग परिवहन करती रो पेक्स सर्विस वार्षिक रखरखाव के लिए 24 जुलाई से 10 अगस्त तक बंद रहेगी। रो पेक्स वोयेज सिम्फनी जहाज को मेंटेनन्स के लिए सूरत के हजीरा डोक यार्ड भेजा जाएगा। जहां 15 दिन इसकी मरम्मत की जाएगी और उसके बाद 10 अगस्त से रो पेक्स सर्विस पुन: बहाल होगी। 23 जुलाई को भावनगर के घोघा से रवाना होकर जहाज सूरत के हजीरा पहुंचेगा। जहां से वह वापस घोघा नहीं लौटेगा। 24 जुलाई से जहाज में मरम्मत शुरू होगा जो 10 जुलाई तक चलेगा। इन 15 दिनों के दौरान घोघा-हजीरा के बीच रो पेक्स सर्विस बंद रहेगी।

गुजरात में कोरोना वैक्सीन लगवाने वालों की संख्या 3.1 करोड़ के पार,पर मिलियन वैक्सीनेशन में गुजरात देशभर में अग्रणी,47 फीसदी लोग पहले डोज से सुरक्षित

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फोन टापग का लकर ससद म हगामा

फोन टैपिंग कांग्रेस की कार्यप्रणाली : खट्टर

चंडीगढ़।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बुधवार को फोन टैपिंग को लेकर संसद में हंगामा करने के लिए कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि उसे विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय आरोप लगाने की आदत है। खट्टर ने यहां मीडिया से कहा, हमारी पार्टी का जासूसी या फोन टैपिंग से कोई लेना-देना नहीं है। अगर किसी भी पार्टी को जासूसी की साजिश रचने और लोकप्रिय सरकारों को अस्थिर करने की आदत है, तो वह निश्चित रूप से कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कांग्रेस को मुद्दे उठाने का मौका नहीं दिया और इस बार भी उसने लोकतंत्र को बदनाम करने की साजिश रची है। खट्टर ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कैसे कांग्रेस विकास के मुद्दों पर चर्चा करने के बजाय भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचाने के लिए अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और वामपंथी संगठनों का समर्थन कर रही है। भारत की छवि खराब करने के लिए इन छोटी-छोटी चीजों को करने से कांग्रेस को कुछ हासिल नहीं होने वाला है। देश उन्हें देख रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, कांग्रेस ने कभी भी देश को लोकतांत्रिक तरीके से चलाने में विश्वास नहीं किया। आज वे सिर्फ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों और एक वामपंथी पोर्टल में प्रकाशित रिपोटरें पर विश्वास करके फोन टैपिंग के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं, लेकिन मैं उन्हें याद दिलाना चाहूंगा कि जब कांग्रेस केंद्र में थी तो उसने खुद अपने ही नेताओं की जासूसी करने के लिए सर्विलांस का इस्तेमाल एक उपकरण के रूप में किया था। एक उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मीडिया रिपोटरें के साथ सबूत हैं कि कैसे कांग्रेस ने पूर्व रेल मंत्री ममता बनर्जी सहित अपनी ही पार्टी के नेताओं की जासूसी की थी। खट्टर ने कहा, पूर्व वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी का तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिखकर उनसे तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम के खिलाफ उनकी जासूसी करने को लेकर जांच करने के लिए कहा गया था, जो कि किसी से भी छिपा हुआ तथ्य नहीं है।

उत्तर प्रदेश में 30 हजार रुपए पाने के लिए पति के जिंदा रहते 21 महिलाएं बनीं 'विधवा'

लखनऊ।

भ्रष्ट अफसरों और दलालों के गठजोड़ ने उत्तर प्रदेश सरकार की एक और लाभकारी योजना में घपला किया है। इस बार भ्रष्ट अफसरों और दलालों ने राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना के तहत मिले सरकारी धन को हड़प लिया है। 30 हजार रुपए के लिए 21 महिलाओं को विधवा बना दिया गया है, जबकि असलियत में उनके पति जिंदा हैं।दरअसल, उत्तर प्रदेश में सरकार ने राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की शुरुआत की। योजना में गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले परिवार के कमाऊ मुखिया की 60 साल से पहले असामयिक मौत होने पर पत्नी को 30,000 रुपए सहायता राशि मिलती है। भ्रष्ट अफसरों और दलालों ने गरीब विधवा महिलाओं को मिलने वाली 30,000 रुपये को हजम कर लिया। चित्रकूट, बलरामपुर, गोरखपुर, कानपुर में इस योजना में घोटाले की शिकायतें पहले ही की जा चुकी हैं। ताजा मामला लखनऊ के 2 इलाकों से सामने आया है, जहां 21 ऐसी फर्जी लाभार्थी मिली हैं, जिनके पति जीवित होने हैं पर उन्हें इस योजना का लाभ मिला और उनके खाते में 30 हजार की रकम जमा कराई गई। लखनऊ के सरोजनी नगर तहसील के बंथरा और चंद्रावल गांव में सन 2019-20 और 20-21 में कुल 88 लोगों को इस योजना का लाभ दिया गया था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि लाभ पाने वाली इन महिलाओं में 21 महिलाएं ऐसी थी जिनके पति जीवित हैं और महिलाओं को फर्जी ढंग से भुगतान किया गया। बताया जा रहा है कि इस फर्जी भुगतान में दलाल और भ्रष्ट अफसरों का कमीशन तय था। लाभार्थी महिला को 30,000 में से 10 से 15 हजार रुपए ही मिले बाकी रकम दलाल और अफसरों ने बांट ली।

हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले गोरखपुर, बलरामपुर, चित्रकूट, कानपुर समेत कई जिलों में ऐसी गड़बड़ियां सामने आ चुकी हैं। इस मामले में कई लोगों को सस्पेंड भी किया जा चुका है। लखनऊ से जुड़े इस मामले में प्रमुख सचिव समाज कल्याण के रविंद्र नायक ने कहा कि इस मामले की जांच कराई जाएगी।

जांच में जो भी केस फर्जी पाए जाएंगे, दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

महिला कार्यकर्ताओं को महिला वोटरों को रसाई से निकलकर पोलिंग बूथ तक लाना होगा

मेरठ।

भाजपा महानगर संगठन की ओर से महिला मोर्चा की नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष वर्षा कौशिक का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर वर्षा ने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में महिलाओं का सम्मान, प्रत्येक नागरिक तक बिना भेदभाव के सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने जैसा कार्य हुआ है।जबकि पिछली सपा-बसपा सरकार सिर्फ वर्ग विशेष के लिए कार्य करती थी। उन्होंने कहा वह अपनी क्षेत्रीय टीम में उन महिला कार्यकर्ताओं को शामिल करेंगी, जिन्होंने कोरोना वैक्सीन लगवा ली है। विधानसभा चुनाव में महिला टीम को विशेष जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि प्रत्येक घर की रसोई तक पहुंचकर महिला वोटरों को वह बूथ तक ला सकें। उन्होंने अगले चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुत से सत्ता में दोबारा लाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की संयोजक महिला मोर्चा उपाध्यक्ष बबीता चौहान रहीं। मंच संचालन महिला मोर्चा मंत्री निधि रस्तोगी, कादंबरी कौशिक ने किया। महानगर अध्यक्ष मुकेश सिघल, दक्षिण विधायक सोमेंद्र तोमर, कैंट विधायक सत्य प्रकाश अग्रवाल, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा, महिला आयोग की सदस्य राखी त्यागी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अंजू वरियर आदि ने फूल माला पहनाकर व पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

पंजाब में फीचर अभी बाकी, सिद्धू कैप्टन से नहीं मांगने वाले सार्वजनिक तौर पर माफी

अमृतसर । कांग्रेस शासित राज्य पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जारी कांग्रेस पार्टी के भीतर का दंगल अभी खत्म नहीं हुआ है। पंजाब कांग्रेस के नए अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ताजपोशी के बाद से ही समर्थकों से मिल रहे हैं।इसी कड़ी में सिद्धू अमृतसर में स्वर्ण मंदिर में माथा टेका।सूत्रों के मुताबिक, सिद्धू किसी भी हाल में कैप्टन अमरिंदर सिंह से सार्वजनिक तौर पर माफी नहीं मांगने वाले हैं। वहीं, कैप्टन चाहते हैं कि सिद्धू उनसे सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें। नए-नए अध्यक्ष बने सिद्धू का समर्थकों से मिलना जारी है। बुधवार को नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर में हैं और उनके घर पर विधायकों का जुटना जारी है। सिद्धू का दावा है कि उनके साथ 62 विधायक मौजूद हैं। बता दें कि पंजाब में कांग्रेस के कुल विधायकों की संख्या 80 है।सिद्धू ने विधायकों के साथ स्वर्ण मंदिर का दौरा भी किया। बुधवार को ही नवजोत सिंह सिद्धू का वाल्मीकि मंदिर जाने का भी प्लान है। वहीं सिद्धू को अभी तक कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बधाई नहीं दी है।कैप्टन की ओर से साफ कर दिया गया है कि जबतक नवजोत सिंह सिद्धू उनसे सार्वजनिक माफी नहीं मांगतें वहां मुलाकात नहीं करने वाले है।

अब पीएम मोदी को उनके घर में चुनौती देंगी ममता, अहमदाबाद में लगे पोस्टर

नई दिल्ली ।

बंगाल विधानसभा चुनाव में भारी बहुमत हासिल करके लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं ममता बनर्जी की नजरें अब दिल्ली पर लग गई है। तृणमूल कांग्रेस देशभर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश में जुट गई है। बुधवार को ममता बनर्जी के पोस्टर पीएम मोदी के गृहराज्य गुजरात के अहमदाबाद में भी दिखे। हालांकि, बाद में इन्हें हटा दिया गया। तृणमूल कांग्रेस ने बुधवार को शहीदी दिवस की 28वीं बरसी मनाई। 'दीदी' के भाषण को त्रिपुरा, असम, ओडिशा, बिहार, पंजाब, यूपी और दिल्ली सहित कई राज्यों में बड़े स्क्रीन पर दिखाने की तैयारी की गई है। पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने ममता बनर्जी को रोकने के लिए पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन ममता ने न सिर्फ भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, बल्कि पहले से अधिक सीटें लेकर सत्ता में वापसी करने में सफल रहीं।

बंगाल के नतीजों के बाद से उनके हौसले बुलंद हैं और टीएमसी के नेताओं का मानना है कि 'दीदी' पीएम मोदी के खिलाफ राष्ट्रीय राजनीति में विकल्प बन सकती हैं। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 2024 लोकसभा चुनाव से पहले टीएमसी इस दिशा में कुछ बड़े ऐलान कर सकती है। हालांकि, बंगाल के बाहर टीएमसी का अब तक कोई जनाधार नहीं रहा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए 21 जुलाई का दिन बहुत अहम है। पार्टी हर साल इस दिन शहीदी दिवस मनाती है। आज ही के दिन 1993 में पश्चिम बंगाल यूथ कांग्रेस का प्रदर्शन चल रहा था, जिसकी अगुआई ममता बनर्जी कर रही थीं।

इस दौरान कोलकाता पुलिस ने गोलीबारी कर दी, जिसमें 13 लोग मारे गए थे। इस आंदोलन ने ममता बनर्जी को राजनीतिक रूप से बेहद मजबूत किया।

एवियन इन्फ्लूएंजा के मानव से मानव में संक्रमण बहुत दुर्लभ, डरने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली।

एवियन इन्फ्लूएंजा से देश में पहली मौत की पुष्टि के बीच अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रमुख रणदीप गुलेरिया ने कहा कि एच5एन1 वायरस का मानव से मानव में संक्रमण बहुत दुर्लभ हैं, इससे घबराने की कोई जरूरत नहीं है। एम्स निदेशक ने कहा कि हालांकि संपर्क में आने से बचना चाहिए और वायरस के कारण जहां पर बच्चे की मौत हुई, उस क्षेत्र से नमूने लिए जाने की जरूरत है तथा कुक्कुटों की मौत पर नजर रखनी चाहिए। हरियाणा के 12 वर्षीय लड़के की एच5एन1 के संक्रमण से हाल में एम्स दिल्ली में मौत हुई है। गुलेरिया ने कहा, पक्षियों से मानवों में संक्रमण बहुत दुर्लभ है, और एच5एन1 का मानव से मानव में संक्रमण का मामला अब तक साबित नहीं हुआ है। इसकारण घबराने की जरूरत नहीं है। डॉ.गुलेरिया ने कहा, ''लेकिन पोल्ट्री के निकट काम करने वाले लोगों को निश्चित तौर पर एहतियात बरतकर साफ-सफाई रखना चाहिए।'' एम्स में मेडिसीन विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर ने कहा कि एवियन इन्फ्लूएंजा मुख्य रूप से पक्षियों की बीमारी है और मानव से मानव के बीच संक्रमण का अब तक प्रमाण नहीं मिला है। उन्होंने कहा, ''हालांकि संक्रमण से प्रभावित कुछ छिटपुट क्षेत्रों का पता चला है। इन क्षेत्रों में दुर्लभ स्थिति में संक्रमण का प्रसार हो सकता है। हालांकि मानव से मानव के बीच संक्रमण का कोई प्रमाण नहीं मिला है। सीरो सर्वेक्षण में बिना लक्षण वाले मामलों में कोई प्रमाण नहीं मिला है और उपचार के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों में संक्रमण फैलने के कोई सबूत नहीं हैं।उन्होंने कहा, अगर कोई ठीक से पका हुआ पोल्ट्री उत्पाद खा रहा है,तब चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। अभी तक इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह ठीक से पके हुए भोजन से लोगों में फैल सकता है। भोजन को उच्च तापमान पर पकाने पर वायरस नष्ट हो जाता है। संक्रमित, खासकर बीमार मुर्गे-मुर्गियों के संपर्क में आने से बचना चाहिए।''

डॉ. गुलेरिया ने कहा कि पूर्व में जब मुर्गे-मुर्गियों में एच5एन1 एवियन फ्लू इन्फ्लूएंजा के मामले सामने आने पर कुक्कुटों को मार दिया गया था। उन्होंने कहा कि एच5एन1 वायरस का प्रसार मुख्य रूप से प्रवासी पक्षियों के जरिए कुक्कुटों में होता है। बताया जा रहा हैं कि 12 वर्षीय लड़के को दो जुलाई को निमोनिया और ल्यूकेमिया की दिक्कतों के साथ एम्स में भर्ती कराया गया था। उसकी 12 जुलाई को मृत्यु हो गई। इलाज के दौरान कोविड-19 और इन्फ्लूएंजा की जांच की गई। सूत्र ने कहा था, लड़के की कोविड-19 जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई।

तानाशाही पर आमादा है भाजपा, लोकतांत्रिक संस्थाओं पर लगाई बंदिशें : ममता

कोलकाता।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने 21 जुलाई को शहीद दिवस मनाया। पार्टी के गठन के बाद से हर साल 21 जुलाई को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस खास मौके पर ममता बनर्जी ने अपने संबोधन में कहा कि बंगाल ने मां, माटी और मानुष को चुना है। यहां की जनता ने धनबल को नकारा है। उन्होंने कहा कि भाजपा पूरी तरह से तानाशाही पर आमादा है। त्रिपुरा में हमारे कार्यक्रम में रोका गया है। क्या यह लोकतंत्र है? वे देश की संस्थाओं को नष्ट कर रहे हैं। मोदी सरकार को प्लास्टर करने की जरूरत है। अब हमें काम शुरू करना है। उन्होंने कहा सरकार पेगासस के जरिए जासूसी कर रही है। जासूसी के लिए पैसे खर्च कर रही है। इसमें मंत्रियों और जजों के नंबर डाले जा रहे हैं। हमें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। जासूसी प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कोरोना की दूसरी लहर में देश ने गंगा में तैरती लाशें देखी हैं। ऑक्सीजन की कमी के चलते बहुत लोगों की मौत हुई है और सरकार कहती है कि ऑक्सीजन की कमी से मौत नहीं हुई है। कोरोना की तीसरी लहर की भी कोई तैयारी केंद्र ने नहीं की है।

ममता बैनर्जी ने कहा कि कुछ भाजपाइयों ने मानवाधिकार को लेकर गलत रिपोर्ट डाली है। मतदान के बाद कोई हिंसा नहीं हुई। अब जब तक भाजपा को बाहर नहीं करते तब तक खेला होगा। 16 अगस्त को खेला दिवस मनाएंगे। उन्होंने कहा कि देश की परिस्थिति बहुत खराब है। पीएम नरेंद्र मोदी बुरा मत मानिए, आपकी व्यक्तिगत आलोचना नहीं कर रही पर आपको सिर्फ अपनी पार्टी की चिंता है, जबकि हम देश के विकास में यकीन करते हैं। बंगाल मॉडल स्टेट है, गुजरात नहीं। इस बार शहीद दिवस पर खास तैयारी की गई है। यह पहली बार है जब ममता बनर्जी का भाषण 21 जुलाई को राज्य की सीमाओं से परे अन्य राज्यों में भी प्रसारित किया गया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का भाषण दिल्ली, उत्तर प्रदेश और गुजरात में पार्टी मुख्यालय के बाहर टीवी पर प्रसारित किया गया। दिल्ली के आयोजन में दूसरे राजनीतिक दलों के नेताओं को भी बुलाया गया था। ममता बनर्जी की इस तैयारी को 2024 के रण से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि ममता बनर्जी ने अब राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय राजनीति में उतरने का मन बना लिया है और भापजा को सीधी चुनौती देने को तैयार हैं।

युवाओं को नौकरी के लिए अब सिफारिश की जरूरत नहीं, आबकारी निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित कर बोले- योगी

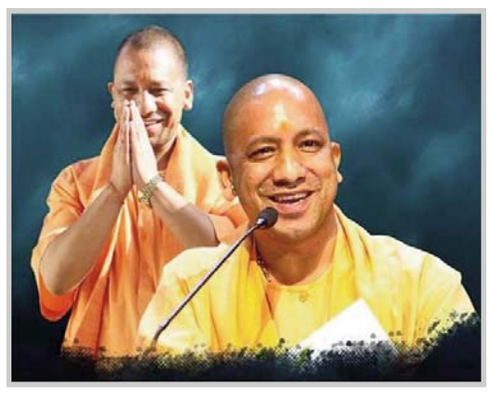

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उनकी सरकार पारदर्शी तरीके से भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ा रही है और सरकार की नीयत और ईमानदारी पर कोई अंगुली नहीं उठा सकता। नवचयनित 130 आबकारी निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के मौके पर योगी ने बुधवार को कहा कि यूपी लोक सेवा आयोग स्वायत्तशासी है और सरकार उसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करती। युवाओं को अब नौकरी के लिये किसी सिफारिश की जरूरत नहीं है। सरकार अधिक से अधिक नौकरियों का सृजन करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि 2002 से 2017 तक जितनी भर्तियां हुई है,उससे ज्यादा भर्तियां 2017 के बाद से अब तक हुई है। सरकार की भर्ती प्रक्रिया में कहीं कोई खोट नहीं इमानदारी में कोई संदेह नहीं है और इस पर कोई उंगली नहीं उठा सकता। पहले नियुक्ति निकलने पर कुछ लोगों की अपनी प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती थी मगर अब भ्रष्टाचारियों के वसूली के अड्डे और ठेके बंद हो गए है। सरकार ने बड़े पैमाने पर ऐसे भ्रष्टाचारियों को जेल में डाला और उनकी संपत्ति जब्त की। दरअसल, पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में शुचिता और ईमानदारी का अभाव था। उस दौरान जातिवाद क्षेत्रवाद और पता नहीं क्या-क्या प्रभावी रहता था। पिछले 4 सालों में सभी प्रकार की विघ्न बाधाओं को दूर किया गया। सभी आयोगों को संदेश दिया गया कि किसी भी भर्ती में पारदर्शिता होनी चाहिए।

गलत करने वालों के लिए सरकार की तलवार हमेशा लटकती है। श्री योगी ने कहा कि युवाओं के सर्वाधिक संख्या उत्तर प्रदेश में है और सरकार की मंशा है कि युवाओं का लाभ देश और प्रदेश को मिले। पिछले साढ़े चार साल में एक करोड़ 61 लाख युवाओं को नौकरी और रोजगार से जोड़ने में सफलता मिली है। नवनियुक्त आबकारी निरीक्षकों से कहा ''आपकी कार्यपद्धती आपका आचरण और आपका व्यवहार अच्छा रहे यही अपेक्षा रहती है। कानून की व्यवस्था के विरुद्ध और किसी जीवन को खतरे में डालने वाला कोई काम ना हो। आपको किसी भी स्तर पर किसी सिफारिश की जरूरत नहीं पड़ी होगी। उन्होंने कहा कि सरकार की व्यवस्था अनुशासन और परिश्रम से चलती है।

सरकार का काम जनता की सेवा करना है। हम जनता के मालिक नहीं है जनता हमारी मालिक है। जनता का टैक्स राजस्व के रूप में एकत्र होता है।

साक्षप्त समाचार

भाजपा ने शाजिया इल्मी को दी ईदी, बनाया राष्ट्रीय प्रवक्ता

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देने के लिए प्रवक्ताओं की सूची लंबी कर दी है। इसके लिए पार्टी ने दो अन्य प्रवक्ताओं की नियुक्ति की है। ईद के दिन शाजिया इल्मी को बड़ा तोहफा देकर भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। शाजिया के अलावा प्रेम शुक्ला को भी राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह की ओर से जारी विज्ञप्ति में इसकी जानकारी देकर इस तत्काल प्रभाव से लागू किया है। बता दें कि शाजिया इल्मी अन्ना हजारे के नेतृत्व में हुए आंदोलन से जुड़ी थीं। इसके बाद वे आम आदमी पार्टी के लिए काम करती रहीं। गाजियाबाद से 2014 का लोकसभा चुनाव भी लड़ा था। हालांकि बाद में वह भाजपा में शामिल हो गईं। प्रेम शुक्ला पहले शिवसेना में थे। लेकिन बाद में वह भाजपा में शामिल हो गए। वह लगातार पार्टी का पक्ष मजबूती से रखते हैं।बता दें कि पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और मीडिया इंचार्ज राज्यसभा सांसद अनिल बलूनी है जबकि बिहार विधान परिषद के सदस्य डॉ.संजय मयूख को-मीडिया इंचार्ज हैं। प्रवक्ताओं की सूची में डॉक्टर संबित पात्रा, डॉ सुधांशु त्रिवेदी, सैयद शाहनवाज हुसैन, राजीव प्रताप रूडी, नलिन कोहली, गौरव भाटिया, सैयद जफर इस्लाम, टॉम वडक्कम, राज्यवर्धन सिंह राठौर, सरदार आरपी सिंह, अपराजिता सारंगी, नूपुर शर्मा जैसे दिग्गज नाम शामिल है।

केरल विधानसभा चुनाव के पहले 'ट्रांसजेंडर' उम्मीदवार का शव मिला, सरकार ने दिए जांच के आदेश

नेशनल डेस्क। मशहूर 'ट्रांसजेंडर' कार्यकर्ता अनन्या कुमारी एलेक्स का शव एर्नाकुलम स्थित उनके घर से मिला, जिसके बाद सरकार ने घटना की तत्काल जांच का आदेश दिया है। एलेक्स 'थर्ड जेंडर' समुदाय से केरल की पहली रेडियो 'जॉकी' थीं। पुलिस ने बताया कि 28 वर्षीय एलेक्स का शव मंगलवार को एडापल्ली के निकट उनके कमरे में पंखे से लटका हुआ मिला। उन्होंने बताया कि यह आत्महत्या का मामला लग रहा है। सामाजिक न्याय मंत्री आर बिंदु और स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने अधिकारियों को घटना की जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। जॉर्ज ने मेडिकल निदेशक से मामले की जांच करने को कहा है क्योंकि 'थर्ड जेंडर' समुदाय ने आरोप लगाया है कि लिंग परिवर्तन सर्जरी के बाद एलेक्स को काफी दर्द हो रहा था। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि लिंग परिवर्तन सर्जरी से जुड़े मुद्दों पर अध्ययन के लिए जल्दी ही विशेषज्ञों का एक पैनल बनाया जाएगा। इस बीच, यहां जारी एक बयान में बिन्दु ने कहा कि सामाजिक न्याय विभाग के सचिव से एलेक्स की मौत की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि 'ट्रांसजेंडर' न्याय बोर्ड की बैठक 23 जुलाई को होनी है, जिसमें इस तबके से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। मेकअप आर्टिस्ट, टीवी न्यूज एंकर और स्टेज शो एंकर एलेक्स हाल के दिनों में विधानसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी को लेकर सुर्खियों में थीं। राज्य में छह अप्रैल को हुए मतदान के लिए डेमोक्रेटिक सोशल जस्टिस पार्टी के टिकट पर वेंगारा से मैदान में उतरीं एलेक्स राज्य की पहली 'थर्ड जेंडर' उम्मीदवार थीं। पुलिस ने कहा कि वह मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान के शिक्षामंत्री के तीन रिश्तेदारों के राजस्थान प्रशासनिक सेवा में सामान अंक , बीजेपी ने लगाया धांधली करने का आरोप

जयपुर। राजस्थान के शिक्षामंत्री गोविंद सिंह डोटसरा के रिश्तेदारों के राजस्थान प्रशासनिक सेवा में चयन को लेकर विवाद बढ़ गया है। भारतीय जनता पार्टी नेता सुरेंद्र सिंह शेखावत ने शिक्षा मंत्री पर राजस्थान प्रशासनिक सेवा की परीक्षा में हेर-फेर करने का आरोप लगाकर इस्तीफा मांगा है। बीजेपी नेता का आरोप है कि डोटसरा की पुत्रवधु प्रतिभा पुनिया, उनके भाई गौरव पुनिया और बहन प्रभा पुनिया, तीनों को राज्य प्रशासनिक सेवा(आरएएस) के परीक्षा में समान रूप से 80-80 फीसदी अंक मिलें हैं, वहीं लिखित परीक्षा में तीनों के प्राप्तांक 50 फीसदी से कम हैं। बीजेपी नेता शेखावत का कहना है कि तीनों भाई-बहनों की एक जैसी योग्यता ही मिसाल है। खास बात यह है कि आरएएस परीक्षा देने वाले गौरव और प्रभा के चौथे पेपर में नंबर कैसे समान हैं। धांधली के आरोपों पर राजस्थान में बवाल देखने को मिल रहा है, बीजेपी ने तीनों के अलग-अलग प्राप्तांक भी जारी किए हैं। बीजेपी की ओर से जारी लिस्ट के मुताबिक पहले पेपर में गौरव को 48.75 फीसदी अंक मिले, वहीं दूसरे पेपर में 41.25 फीसदी अंक मिले। जबकि थर्ड पेपर में 50 फीसदी अंक मिले हैं। चौथे में 49.75 फीसदी अंक, लिखित में कुल अंक 47.44 फीसदी हैं, वहीं इंटरव्यू में 80 फीसदी अंक मिले। प्रभा को पहले पेपर में 41 फीसदी अंक, दूसरे पेपर में 48 फीसदी अंक, तीसरे में 49.75 फीसदी अंक और लिखित में 45.81 फीसदी अंक मिले हैं। वहीं इंटरव्यू में प्रभा को 80 फीसदी अंक मिले हैं।शिक्षा मंत्री की पुत्रवधू प्रतिभा पुनिया को पहले पेपर में 46 फीसदी अंक मिले हैं, दूसरे पेपर में 48 फीसदी अंक, तीसरे पेपर में 51 फीसदी अंक, चौथे में 56 फीसदी अंक और रिटेन में कुल 50.25 फीसदी अंक मिले हैं। वहीं इंटरव्यू में कुल 80 फीसदी नंबर मिले हैं। इस पूरे विवाद पर राज्य के शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटसरा का कहना है कि उनका, राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से जारी आरएसए के रिजल्ट से कोई लेना-देना नहीं है।शिक्षा मंत्री ने कहा है कि बहुत सारे लोगों को इंटरव्यू में 80 फीसदी अंक मिले हैं।मेरे जो रिश्तेदार परीक्षा में पास हुए हैं, वे अपने प्रतिभा के दम पर हुए हैं। वहीं पूरे प्रकरण पर राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह यादव ने कहा है कि बकरीद की छुट्टी होने की वजह से मैं रिकॉर्ड की जांच नहीं कर सकता। रिकॉर्ड देखने के बाद ही कुछ बोलूंगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)